जीवन दर्शन

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते है।

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

गुरुवार 2 मई, 2024 » वर्ष 13 » अंक 81 » इंदौर-भोपाल से प्रकाशित » पेज 6 » मूल्य ₹ 2.00

मेरा शरीर संकेत दे रहा, मैड्रिड ओपन में आखिरी बार खेलते हुए हार के...

पृष्ठ 6 पर

न्यूज ब्रीफ

राहुल और प्रियंका अमेठी-रायबरेली लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में उतरेंगे?

नई दिल्ली। राहुल गांधी अमेठी और प्रियंका गांधी रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं। अमर उजाला को सूत्रों से मिली खबर के मुताबिक, दोनों नेताओं को उत्तर प्रदेश की इन दो अहम सीटों से चुनाव लड़वाने का पार्टी मन बना चुकी है। इस बारे में जल्द ही औपचारिक एलान हो सकता है। माना जा रहा है कि सोनिया गांधी ने राहुल और प्रियंका से दोनों सीटों पर चुनाव लड़ने को कहा है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अलावा अमेठी और रायबरेली के स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने भी पिछले दिनों नेतृत्व से आग्रह किया था कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को इन सीट से चुनाव लड़ना चाहिए। 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल अमेठी में स्मृति ईरानी से हार गए थे, जबकि रायबरेली से सोनिया जीती थीं, इस बार चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया।

पूर्व सीएम केसीआर पर ECI का बड़ा ऐक्शन, प्रचार करने पर लगाया 48 घंटे का बैन

नई दिल्ली। आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने पर चुनाव आयोग ने तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव को 48 घंटे के लिए प्रचार करने से रोक दिया है। यह रोक आज रात 8 बजे से शुरू होगी। यह एक्शन चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता जी निरंजन द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर लिया, जिसमें पूर्व सीएम पर कांग्रेस के खिलाफ अपमानजनक और आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया था। चुनाव आयोग ने जारी एक बयान में कहा कि आयोग बीआरएस चीफ केसीआर को आदर्श आचार संहिता उल्लंघनों से जुड़े मामले के मद्देनजर उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिए गए विवादित बयान की कड़ी निंदा करता है।

सलमान के घर फायरिंग केस में पुलिस कस्टडी में आरोपी ने की आत्महत्या

मुंबई: सलमान खान के घर फायरिंग केस में बड़ी खबर सामने आई है. सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर फायरिंग करने के मामले में एक आरोपी ने आत्महत्या कर ली है. पुलिस ने बताया कि सलमान खान के घर गोलीबारी कांड के एक आरोपी ने पुलिस कस्टडी में आत्महत्या करने की कोशिश की. जिस आरोपी ने आत्महत्या की है, उसका नाम अनुज थापन है, जिस पर शूटरों को हथियार मुहैया कराने का आरोप है.आरोपी अनुज थापन ने चादर से आत्महत्या करने की कोशिश की. बता दें कि इससे पहले मुंबई की एक विशेष अदालत ने बांद्रा में अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना के संबंध में गिरफ्तार तीन आरोपियों को सोमवार को आठ मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया था.

बिना रीति रिवाज और सात फेरों के वैध नहीं हिंदू विवाह...

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हिंदू विवाह एक 'संस्कार' है

'सात फेरे-रीति रिवाजों के बिना हिंदू विवाह मान्य नहीं'

नई दिल्ली ■

हिंदू मैरिज पर दो जजों की पीठ का अहम फैसला

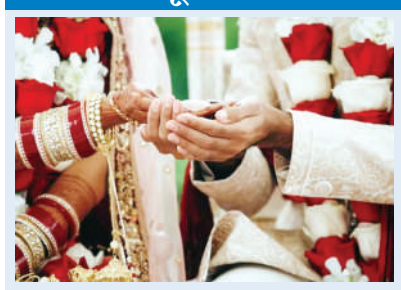

पीठ ने आगे कहा कि हिंदू विवाह संतानोत्पत्ति को सुगम बनाता है, परिवार की यूनिट को मजबूत करता है। ये विभिन्न समुदायों के बीच भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। ये विवाह पवित्र है क्योंकि यह दो व्यक्तियों के बीच आजीवन, गरिमापूर्ण, समान, सहमतिपूर्ण और स्वस्थ मिलन प्रदान करता है। इसे एक ऐसी घटना माना जाता है जो व्यक्ति को मोक्ष प्रदान करती है, खासकर जब संस्कार और समारोह आयोजित किए जाते हैं। हिंदू विवाह अधिनियम के प्रावधानों पर विचार करते हुए, पीठ ने कहा कि जब तक शादी उचित समारोहों और रीति-रिवाज में नहीं किया जाता, तब तक इसे एक्ट की धारा 7(1) के अनुसार 'संस्कारित' नहीं कहा जा सकता है।

हिंदू विवाह एक 'संस्कार' है। इसे हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत तब तक मान्यता नहीं दी जा सकती जब तक कि इसे उचित रीति रिवाज और समारोहों के साथ नहीं किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत वैध शादी के लिए मैरिज सर्टिफिकेट ही पर्याप्त नहीं है। ये एक संस्कार है जिसे भारतीय समाज में प्रमुख रूप से दर्जा दिया गया है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने 19 अप्रैल को इस संबंध में अहम आदेश सुनाया। पीठ ने युवा पुरुष और महिलाओं से आग्रह किया कि वे शादी से पहले ही इस विवाह संस्कार के बारे में गहराई से सोचें और यह भी कि भारतीय समाज में ये संस्कार कितने पवित्र हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने शादी को लेकर क्या कहा

शीर्ष अदालत ने याद दिलाया कि हिंदू विवाह 'नाच-गाने' और 'खाने-पीने' या दहेज और गिफ्ट मांगने जैसे अनुचित दबाव डालने का मौका नहीं होता है। ऐसी किसी भी शिकायत के बाद आपराधिक कार्यवाही शुरू होने की संभावना है। पीठ ने आगे कहा कि विवाह का मतलब कोई व्यावसायिक लेन-देन नहीं है। यह एक पवित्र समारोह है, जिसे एक पुरुष और एक महिला के बीच संबंध स्थापित करने के लिए आयोजित किया जाता है। इसमें युवक-युवती भविष्य में एक परिवार के लिए पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त करते हैं, जो भारतीय समाज की एक बेसिक यूनिट हैं।

शादी में सात फेरे लेना जरूरी- कोर्ट

कोर्ट ने आगे कहा कि धारा 7 की उपधारा (2) में कहा गया है ऐसे संस्कारों और समारोहों में सप्तपदी शामिल है। यानी, पवित्र अग्नि के समक्ष वर और वधू के संयुक्त रूप से सात फेरे लेना जरूरी होता है। इस दौरान सातवां कदम उठाए जाने के बाद विवाह पूर्ण हो जाता है। ऐसे में हिंदू विवाह के अनुष्ठान में अपेक्षित समारोह लागू रीति-रिवाजों के अनुसार होने चाहिए, जिसमें शादी कर रहे युवा जोड़े सप्तपदी को अपनाएं। वो सात फेरे लें।

कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी की मौत! दिनदहाड़े ताबड़तोड़ हुई फायरिंग

नई दिल्ली ■

पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या का मुख्य आरोपी गोल्डी बराड़ भी मारा गया। अमेरिका में उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई है। एक अमेरिकी न्यूज चैनल ने ये दावा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक ये घटना बीती मंगलवार को शाम 5.25 बजे अमेरिका के फेयरमोंट, होल्ट एवेन्यू में हुई।

रिपोर्ट में बताया गया है कि गोल्डी बराड़ एक साथी के साथ गली में अपने घर के बाहर खड़ा था। तभी अज्ञात हमलावर आए और उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं औ? वहां से फरार हो गए। जिसके बाद बराड़ और उसके साथी को अस्पताल ले जाया गया जिसमें से एक की मौत हो गई है। हालांकि अभी ये पुख्ता नहीं हुआ है कि मौत गोल्डी की हुई है या फिर उसके साथी की। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने भी इस खबर की पुष्टि की है कि दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिनमें से एक की मौत हो गई। बता दें कि गोल्डी बराड़ के प्रतिद्वंदियों और गैंगस्टर और आतंकी अर्श डल्ला और लखबीर सिंह लांडा ने इस हमले की साजिश रचने की जिम्मेदारी ली है और गोलीबारी के पीछे दुश्मनी का आरोप लगाया है।

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश,सहित 14 राज्यों में मई में 5-7 दिन हीटवेव, पारा 42 पार रहेगा

नई दिल्ली ■

मौसम विभाग ने बुधवार (1 मई) को कहा कि मई में देश के अधिकांश हिस्से में तापमान 40-42 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहने की संभावना है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, राजस्थान, झारखंड, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और तेलंगाना में 5 से 7 दिन हीटवेब चल सकती है। वहीं, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात के कुछ इलाके में 8-11 दिन हीटवेव चलने की संभावना है। आमतौर इन राज्यों में मई में 3 दिन ही हीटवेव के होते हैं। तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा, असम और त्रिपुरा में उमस भरी गर्मी का भी अनुमान है।

मौसम विभाग के चीफ मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि अप्रैल के गर्म रहने के पीछे वेस्ट-मिडिल बंगाल की खाड़ी और भारत के निकटवर्ती पूर्वी तटों पर निचले स्तर पर बना एंटीसाइक्लोन जिम्मेदार रहा है। दक्षिण भारत में अप्रैल में औसत अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो बीते 123 साल (1901) के बाद दूसरा सबसे अधिक तापमान था। पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में अप्रैल में औसत न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहा। ये भी 1901 के बाद से सबसे अधिक था।

'70 साल तक शासन करने के बावजूद कांग्रेस पूरे देश में संविधान लागू नहीं कर सकी' -मोदी

हिम्मतनगर (गुजरात): ■

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात में चुनाव प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। अपने तीसरे कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा संविधान को बदल देने के कांग्रेस के दावे पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टी 70 वर्ष सत्ता में रहने के बावजूद पूरे देश में संविधान लागू नहीं कर सकी। उत्तरी गुजरात के हिम्मतनगर में साबरकांठा और मेहसाणा सीट से भाजपा के लोकसभा उम्मीदवारों के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वह संविधान के प्रति प्रतिबद्ध हैं और उनकी सरकार पूर्ववर्ती राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाकर जम्मू-कश्मीर में भी इसका लागू होना सुनिश्चित किया है। उन्होंने विपक्षी गठबंधन को चुनौती देते हुए कहा कि वो देश को लिखित में गारंटी दें कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं देंगे।

उनके सपने अब राख में बदल गए

पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस नेता अब दावा कर रहे हैं कि संविधान खतरे में है और आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा। हकीकत में कांग्रेस अपने 70 वर्ष के शासन में संविधान को पूरे देश में लागू नहीं कर पाई। कश्मीर में हमारा संविधान लागू नहीं हुआ। मोदी ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि मोदी संविधान के प्रति प्रतिबद्ध हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का नाम लिए बिना भाजपा के स्टार प्रचारक ने कहा कि पार्टी का 'शहजादा' अब दावा कर रहा है कि अगर मोदी तीसरी बार सत्ता में आए तो देश जलेगा। उन्होंने कहा, वास्तव में यह कांग्रेस है जो अब जल रही है। वे ऐसी बातें इसलिए कह रहे हैं क्योंकि उनके सपने अब राख में बदल गए हैं।

देश को लिखित में गारंटी दें

पीएम मोदी ने मंच से विपक्षी गठबंधन को चुनौती देते हुए कहा कि वो देश को लिखित में गारंटी दें, क्योंकि उन पर भरोसा नहीं कर सकते। वो धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं देंगे। दूसरी घोषणा करें एससी, एसटी, ओबीसी और सामान्य वर्ग के आरक्षण को कभी भी हाथ नहीं लगाएंगे। लेकिन, यह कभी भी ऐसा लिखकर नहीं देंगे, देखना आप मीडिया में उनकी जो जमात है, जो उनके गाजे-बाजे बजाते हैं, वो मेरे इस चैलेंज को ही दबा देंगे, क्योंकि, वो उनकी रक्षा में लगे हुए हैं। मैं आज कांग्रेस के शहजादे, कांग्रेस पार्टी और उनके गाजे-बाजे बजाने वाली जमात को चुनौती देता हूं, मैं उनको चुनौती देता हूं, अगर उनमें हिम्मत है, तो घोषणा करें कि वह कभी भी धर्म के आधार पर ना आरक्षण का दुरुपयोग करेंगे, ना संविधान में खिलवाड़ करेंगे, ना ही धर्म के आधार पर किसी को आरक्षण देंगे।

लाड़ली बहनों के लिए आई अच्छी खबर,यादव ने किया बड़ा ऐलान

भोपाल। लोकसभा चुनावों की गहमागहमी के बीच एमपी की महिलाओं के लिए अच्छी खबर सामने आई है। चुनावों के कारण राज्य की लाड़ली बहना योजना छ्टिं ईंल्लं ङ्मल्लं की राशि डाले जाने पर बना संशय अब समाप्त हो गया है। सीएम मोहन यादव ने सागर जिले के बीना में लाड़ली बहना योजना की किश्त को लेकर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने यह भी बताया कि इस बार योजना का पैसा महिलाओं के खाते में जल्द ट्रांसफर किया जाएगा। लाड़ली बहना योजना की मई माह की किश्त को लेकर ऊहापोह की स्थिति थी। इस मामले में कांग्रेस भी प्रदेश सरकार पर हमलावर थी लेकिन सीएम मोहन यादव के बयान के बाद यह साफ हो गया है कि योजना का पैसा पात्र महिलाओं को मिलेगा।

सेक्स स्कैंडल से जुड़े 2976 वीडियो, पेन ड्राइव और राजदार ड्राइवर के दावे...

बेंगलुरु ■

देश के सबसे बड़े सेक्स स्कैंडल के तौर पर 90 के दशक में उजागर हुए अजमेर सेक्स स्कैंडल का नाम ही लिया जाता था. लेकिन ये दावा सिर्फ पिछले सप्ताह तक था. लेकिन अब पूर्व प्रधानमंत्री के पोते के साथ जिस सेक्स स्कैंडल का नाम जुड़ रहा है, वो शायद अब तक देश का सबसे बड़ा सेक्स स्कैंडल है. 2976 सेक्स वीडियो वाले इस स्कैंडल का सच कैसे सामने आया, इसकी पूरी कहानी हम आपको बताने जा रहे हैं. ताकि आपको सफेदपोश आरोपी की दरिंदगी का अंदाजा हो जाए.

प्रज्जवल के आपत्तिजनक वीडियो वायरल

कर्नाटक की सियासत में जिस कहानी ने इन दिनों भूचाल ला दिया है, उसमें एक सफेदपोश पिता पुत्र की जोड़ी, अनगिनत मासूम और बेबस लड़कियां और 2976 अश्लील वीडियो वाली पेन ड्राइव का अहम किरदार है. मामला देश के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के परिवार से जुड़ा है और निशाने पर हैं खुद देवेगौड़ा के बेटे एचडी रेवन्ना और उनके पोते प्रज्जवल रेवन्ना. प्रज्जवल पर अपने ही घर में ना सिर्फ अनगिनत लड़कियों के साथ यौन शोषण करने, बल्कि उनका अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें डराने-धमकाने का सनसनीखेज इल्जाम है.

निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे बृजभूषण? खरीदा नामांकन पत्र!

देवीपाटन मंडल की सबसे चर्चित और हॉट सीट माने जाने वाली कैसरगंज का नाम इन दिनों सुर्खियों में इसलिए है क्योंकि आगामी 3 मई को नामांकन की आखिरी तिथि है. बीजेपी ने अभी अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है जिसका इंतजार समाजवादी पार्टी भी कर रही है. गुरुवार दोपहर तक दोनों पार्टी अपने प्रत्याशियों की नाम की घोषणा कर सकती है क्योंकि कल 2 मई है और 3 मई को नामांकन की आखिरी तारीख है. सूत्रों की माने तो बृजभूषण शरण सिंह ने अलग-अलग नाम से नामांकन पत्र लेकर अपनी पूरी तैयारी कर ली है लेकिन इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो रही है.

40 जगह धधके जंगल...चमोली में टैक्सी स्टैंड तो श्रीनगर में केंद्रीय विवि परिसर तक पहुंची आग

उत्तराखंड ■

उत्तराखंड में गढ़वाल से कुमाऊं तक जंगल आग से धधक रहे हैं। बुधवार को वनाग्नि की 40 घटनाएं हुई हैं। जिसमें सबसे अधिक 26 घटनाएं गढ़वाल और 14 कुमाऊं की है। जिससे 46 हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र प्रभावित हुआ है।

तापमान बढ़ने के साथ ही जंगल की आग के मामले भी बढ़ते जा रहे हैं। बुधवार को टिहरी बांध वन प्रभाग में तीन, भूमि संरक्षण वन प्रभाग रानीखेत में एक वनाग्नि की घटनाए हुई है। जबकि अल्मोड़ा वन प्रभाग में एक, बागेश्वर वन प्रभाग में दो, पिथौरागढ़ वन प्रभाग आरक्षित वन क्षेत्र में दो और

सिविल वन क्षेत्र में पांच, तराई पूर्वी वन प्रभाग आरक्षित वन में दो, रामनगर वन प्रभाग में एक, नरेंद्र नगर वन प्रभाग में पांच, सिविल वन पंचायत क्षेत्र में दो, मसूरी वन प्रभाग में एक और सिविल वन क्षेत्र में एक आग की घटना हुई है। सिविल सोयम पौड़ी वन प्रभाग में सबसे अधिक 14 घटनाएं हुई हैं। अपर प्रमुख वन संरक्षक निशांत वर्मा के मुताबिक राज्य में इस फायर सीजन में अब तक वनाग्नि की 761 घटनाएं हो चुकी हैं। वहीं, आग केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर तक जंगल की आग पहुंच गई है। आग परिसर को अपनी चपेट में लेती इससे पहले परिसर निदेशक सहित शिक्षकों, छात्रों व कर्मचारियों ने मोर्चा संभालते हुए आग बुझाने के उपकरणों के साथ काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

व्यंग्य : चिदंबरम ने खुलवा दिया कांग्रेस का कच्चा-चिट्ठा... ?

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस

GHNA

दिलीप शर्मा

(वरिष्ठ पत्रकार)

कांग्रेस के पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम जो एयरसेल घोटाले के आरोप में जेल भी जा चुके हैं और अब जमानत पर होने के साथ आलेख भी लिखा करते हैं और कांग्रेस के पक्ष में सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहते हैं. उन्होंने आरक्षण मामले में कांग्रेस का गुणगान किया और नेहरू जी, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी आदि ने कब कब आरक्षण की घोषणा की इसका उल्लेख किया तो "आ बैल मुझे मार" जैसी कहावत चरितार्थ हो गई, क्योंकि सोशल मीडिया पर यूजर्स भड़क गए..!

मोदी सरकार गई कहने वाले चिदंबरम को लोगों के जवाब..!

लोकसभा चुनाव 2024 के इस दौर में जबकि आरक्षण का मुद्दा काफी गरमाया है और कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल बीजेपी को घेर रहे हैं कि फिर बीजेपी की सरकार बनी तो आरक्षण समाप्त कर देगी, संविधान बदल देगी जबकि प्रधानमंत्री मोदी व अन्य वरिष्ठ नेता इससे साफ इंकार कर रहे हैं लेकिन वोटों की राजनीति चरम पर है. वैसे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने हाल ही में कहा था कि मोदी सरकार तो गई. वे कांग्रेस के घोषणा पत्र से बड़े आशान्वित हैं कि बीजेपी डर गई है. अपने ताजा पोस्ट किए बयान पर जो जवाब सोशल मीडिया पर यूजर्स ने खुद दिए हैं उससे साफ जाहिर है कि यह पब्लिक है, सब कुछ जानती है. चिदंबरम ने जैसे ही एक्स पर आरक्षण पर कांग्रेस का पक्ष रखा तो बीजेपी नेताओं के जवाब से पहले ही यूजर्स ने जवाब दे

दिया और दर्शा दिया कि ये पब्लिक है कांग्रेस के बारे में सब जानती है.लोगों ने लिखा कि वह नेहरू ही थे जिन्होंने एससी, एसटी आरक्षण का विरोध करते हुए मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा था. सोशल मीडिया पर लोगों ने साफ लिखा कि यह वही कांग्रेस थी जिसने 1957 में ओबीसी के लिए की गई केलकर समिति की सिफारिश को ठंडे बस्ते में डाल दिया था. राजीव गांधी ने भी ओबीसी आरक्षण का पुरजोर विरोध किया था. आखिरकार बीजेपी समर्थित सरकार ने 1990 में इसे लागू किया. लोगों ने यह भी लिखा कि यह कांग्रेस ही है जिसने डॉ. आम्बेडकर की निंदा की, उन्हें हराने व संसद में प्रवेश रोकने का हरसंभव प्रयास किया. यह कांग्रेस ही है जिसने 2004-10 के बीच आंध्र प्रदेश में मुसलमानों को आरक्षण देकर ओबीसी को धोखा देने की कोशिश की थी. कर्नाटक में पूरे मुस्लिम समुदाय को ओबीसी नाम दे दिया और ओबीसी को उनकी हिस्सेदारी से वंचित कर दिया..! खैर हो सकता है कि यूजर्स बीजेपी समर्थित भी हो सकते हैं, जो भी हों, लेकिन खोजबीन गलत नहीं है. खैर टूटती, बिखरती कांग्रेस की जो हालत है उसे भी करोड़ों लोग देख रहे हैं ऐसे में जनता का फैसला ही 4 जून को स्पष्ट कर देगा कि कौन जाएगा और कौन फिर आएगा ..?

पंजाब की लगातार दूसरी जीत, चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली ■

इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें संस्करण का 49वां मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया। चेन्नई के एम ए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मैच में पंजाब किंग्स ने पहले गेंद से और फिर बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हरा दिया।

चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब के सामने 163 रनों का मामूली लक्ष्य रखा। जिसके जवाब में पंजाब किंग्स ने 17.5 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह पंजाब की

लगातार दूसरी जीत है। पंजाब के लिए विस्फोटक बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो और रिली रोसो ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। लेकीन दोनों बल्लेबाज अर्धशतक से चूक गए। बेयरस्टो ने 30 गेंद पर सात चौके और एक छक्के की मदद से 46 रन बनाए। वहीं रोसो ने 23 गेंद पर दो छक्के और पांच चौके की मदद से 43 रनों की पारी खेली। इन दोनों के अलावा कप्तान सैम करन ने नाबाद 27 और शशांक सिंह ने 25 रनों का योगदान दिया। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए शार्दुल ठाकुर, रिचर्ड ग्लीसन और शिवन दुबे ने एक - एक विकेट झटके।

न्यूज ब्रीफ

सूर्योदय योजना को फ्लॉप करने में जुटी कंपनिया, शुरू हुई पैनलों की कालाबाजारी

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। चुनावी आचार संहिता के दौरान केंद्र सरकार की सूर्योदय योजना को कुछ सोलर कंपनियां फ्लॉप करने में जुट गई है। सोलर पैनलों की कमी का हवाला देकर उनके दाम प्रति वाट दो से तीन रुपये बढ़ा दिए गए है, जबकि पैनलों की कमी नहीं है। शहर में उसकी कालाबाजारी शुरू हो गई है। इससे आवासीय लगने वाली सोलर यूनिय में आठ से दस हजार रुपये तक का इजाफा हुआ है। देश में सोलर प्लांट लगाने के लिए लोग प्रेरित हो, इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी को सूर्योदय योजना लांच की थी। देश के एक करोड़ घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने पर 18 हजार रुपये से लेकर 78 हजार रुपये की सबसिडी इस योजना के तहत दी जा रही है। सबसिडी के लिए जो कंपनियां अधिकृत है, उन्होंने पैनलों की कालाबाजारी शुरू कर दी है। इंदौर में 70 से ज्यादा वेंडरों सोलर यूनिट लगाने का काम करते है, लेकिन अभी उन्हें जो आर्डर मिले है, उसे पूरा नहीं कर पा रहे है। सोलर कारोबार से जुड़े हिमांशु जामले ने बताया कि सबसिडी वाली पैनलों की मार्केट में कालाबाजारी शुरू हो गई है। जो पैनल 20 से 22 रुपये प्रति वॉट पहले मिलती थी। उसे अब 24 रुपये तक में कंपनियां दे रही है। इस कारण उपभोक्ता को पहले से ज्यादा राशि चुकाना पड़ रही है। इसके चलते कई आर्डर कैंसल हो चुके है, जबकि पैनलों का कोई संकट नहीं है। मार्केट में योजना के कारण डिमांड बढ़ने के बाद कंपनियों ने लामबंद होकर कालाबाजारी शुरू कर दी है। इंदौर में अभी 40 हजार से ज्यादा घरों में सोलर पैनलों से बिजली पैदा हो रही है। नगर निगम ने भी इसके लिए अभियान चलाया है, हालांकि पैनलों के संकट के कारण वेंडरों ने भी कदम पीछे हटा लिए है।

दस हजार रुपये से अधिक का नकद भुगतान नहीं कर सकेंगे उम्मीदवार

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। लोकसभा निर्वाचन के अंतर्गत चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थी निर्वाचन व्यय के किसी भी मद में किसी भी व्यक्ति या इकाई को 10 हजार रुपये से अधिक का भुगतान नकद में नहीं कर सकेंगे। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुसार उम्मीदवार को अपने निर्वाचन व्यय के किसी मद पर 10 हजार रुपये से अधिक की राशि का भुगतान रेखांकित या एकाउंट पेई चेक, ड्राफ्ट अथवा आरटीजीएस या एनईएफटी के माध्यम से ही करना होगा। आयोग ने ये निर्देश आयकर अधिनियम की धारा 40ए (3) में एक अप्रैल 2017 को हुए संशोधन के मद्देनजर जारी किये है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक निर्वाचन व्यय के रूप में दस हजार रुपये तक राशि का भुगतान भी उम्मीदवारों द्वारा निर्वाचन व्यय के प्रयोजन से पृथक से खोले गये बैंक खाते से आहरित कर ही किया जा सकेगा।

इन्दौर मनाएगा 13 मई को वोटिंग का त्यौहार, खजराना चौराहा मजदूर चौक हुआ जागरूकता कार्यक्रम

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर में लोकसभा निर्वाचन के लिये 13 मई को होने वाले मतदान के लिये व्यापक तैयारियां जारी है। इस दिन इंदौर वोटिंग का त्यौहार मनायेगा। मतदाता जागरूकता के लिये आज मजदूर दिवस पर खजराना चौराहा के मजदूर चौक पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में टीम बेसिक्स द्वारा मतदान की महत्ता बताई गई। अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित किया गया। उनसे कहा गया कि वे अपने मतदान का उपयोग तो करें साथ ही अन्य मतदाताओं को मतदान के लिये प्रोत्साहित करें।

शादी का झांसा देकर चंगुल में फंसाया, तीन साल तक बनाए संबंध, युवती से बनाए संबंध

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। मध्यप्रदेश के इंदौर से बड़ा मामला सामने आया है। जहां एक युवक ने शादी का झांसा देकर नर्स से तीन साल तक संबंध बनाए। इस मामले में युवती ने अलीराजपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जिस पर इंदौर पुलिस ने मामले संज्ञान में लिया है। पीड़िता शहर के आजाद नगर इलाके में अपनी बहन के साथ किराए के कमरे में रहती थी। जानकारी के मुताबिक, पीड़िता की उम्र 27 साल है। वह 2021 में इंदौर के बॉम्बे हॉस्पिटल में स्टाफ नर्स के पद पर काम करती थी उसकी बहन की एक सहेली ने सुनील के बारे में बताया। इसके बाद उसकी फोन पर बात भी कराई। जिसके बाद सुनील ने नर्स का नंबर ले लिया। इसके बाद दोनों के बीच कुछ दिनों तक बातें होती रही। फिर कुछ महीनों के बाद सुनील ने बताया कि उसकी एक छोटी बेटी है। उसकी पत्नी का अचानक देहांत हो गया है। मैं तुम्हें पसंद करता हूं। मुझे तुमसे शादी करनी है। नर्स ने बच्ची को देखते हुए शादी के लिए हां कर दी। इसके बाद दोनों के बीच लंबी बातें होने लगी। सुनील ने अक्टूबर 2022 में पीड़िता के साथ संबंध बनाए। उसने पीड़िता को अकेले देखकर उसपर शादी का दबाव बनाया। पीड़िता के मना करने के बाद भी सुनील ने शादी करने का भरोसा दिया। फिर उसकी मर्जी के खिलाफ जाकर संबंध बनाए। इसके बाद उसी के कमरे में सुनील के फिर 8-10 बार आकर संबंध बनाए। हालांकि कुछ समय बाद पीड़िता अलीराजपुर चली गई, लेकिन दोनों के बीच बातचीत जारी रही। कुछ दिन बीतने के बाद पीड़िता ने सुनील से कहा कि चलो अब हम शादी कर लेते हैं। लेकिन सुनील ने मना करते हुए कहा कि अभी समय नहीं है। इसके बाद वह शादी की बात को टालता रहा। पीड़िता को कुछ समझ नहीं आया तो उसने पुलिस में जाकर शिकायत दर्ज करा दी। मामला इंदौर का था इसलिए अलीराजपुर पुलिस ने इस मामले को इंदौर पुलिस को सौंप दिया।

पीथमपुर से शिप्रा तक बनने वाले मार्ग में आ गया पेंच, वन विभाग की 48 एकड़ जमीन ने रोकी पश्चिमी बायपास योजना

इंदौर की 40 हेक्टेयर, धार की 8 हेक्टेयर जमीन के बदले जमीन नहीं मिली

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

केंद्र सरकार ने पीथमपुर से शुरू होकर यशवंतसागर के पास से सांवेर होते हुए शिप्रा तक बनने वाले पश्चिमी बायपास को मंजूरी तो दे दी है, लेकिन ये बायपास उलझता नजर आ रहा है। इसमें इंदौर और धार वन मंडल की 48 हेक्टेयर जमीन आ रही है। जिस पर जंगल है। वहीं, इसके बदले में जमीन कहां दी जाएगी, ये अब तक तय नहीं हो पाया है।

ऐसे में अभी इसकी शुरूआत होने में लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। सड़क में जो वन क्षेत्र आ रहा है, उसमें सागवान सहित अन्य संरक्षित प्रजातियों के पेड़ बड़ी संख्या में हैं। इसके साथ ही तेंदुआ, नीलगाय सहित अन्य कई संरक्षित प्रजाति के जानवरों का निवास भी ये वन क्षेत्र हैं। जमीन कहां दी जाएगी, अभी ये तय नहीं है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी (एनएचएआइ) ने यातायात के दबाव को कम करने के लिए पश्चिमी बायपास की योजना बनाई थी। छह लेन का 64 किलोमीटर लंबा ये बायपास पीथमपुर में ऑटो टेस्टिंग ट्रैक के पास से शुरू होगा और इंदौर में बेटमाखुर्द, बीजापुर, मोहना, बड़ोदियापंथ,

जमीन के बदले जमीन में उलझन

केंद्र सरकार के नियमों के तहत वन क्षेत्र की जितनी जमीन जाएगी, उतनी जमीन अन्यत्र यन विभाग को देनी होगी। वृक्षों की

कीमत तय करते हुए उसका पैसा संबंधित विभाग को देना होगा। वनभूमि के एवज में जो जमीन दी जाएगी, उसका प्रस्ताव केंद्रीय वन विभाग को राज्य सरकार भेजेगी। प्रस्ताव को केंद्रीय वन मंत्रालय एनओसी देगा। इसके बाद वनभूमि का डिनोटिफिकेशन होगा और जमीन प्रोजेक्ट को दी जा सकती है। अकसोदा अरनिया, बसांद्रा, सोलसिंदा से होते हुए शिप्रा तक जाएगा। एनएचआइ इस सड़क को 4 साल बाद होने वाले सिंहस्थ के पहले बनाने की योजना तैयार कर रही है, लेकिन इसमें धार और इंदौर की वन भूमि भी आ रही है। धार की 8 हेक्टेयर और इंदौर की 40 हेक्टेयर वन भूमि भी इसमें आ रही है। ऐसे में बन भूमि का अधिग्रहण करने के लिए केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की एनओसी जरूरी है, लेकिन अभी तक इसकी एनओसी नहीं आई है। ऐसे में इसका काम शुरू नहीं हो पा रहा है।

वन मंत्रालय के पास भेजा गया प्रस्ताव हु

मामले में एनएचएआइ के प्रस्ताव को केंद्रीय वन मंत्रालय के पास भेजा था, वहां से प्रीस्केनिंग कमेटी ने वन विभाग को बदले में मिलने वाली जमीन सहित अन्य जानकारी मांगी है। लेकिन अभी तक इसके बदले में कौन सी जमीन दी जाएगी ये ही तय नहीं हुआ है। अब वन विभाग ने एनएचएआइ और जिला प्रशासन से वनभूमि के बदले में कहां जमीन दी जाएगी। इसकी जानकारी मांगी है। उसके बाद वनक्षेत्र के वृक्षों की गिनती शुरू होगी।

इंदौर में प्रत्याशी के नाम वापस लेने के बाद बड़ा झटका, कांग्रेस नेता ने किया सुसाइड

राऊ के कांग्रेस नेता ने की आत्महत्या, गांधी को भेंट की थी गदा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

राऊ नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं कांग्रेस नेता मनोज सूले ने बुधवार को फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। 60 वर्षीय मनोज का शव उनके कोल्ड स्टोरेज में मिला है। अभी तक आत्महत्या के कारण भी स्पष्ट नहीं हुए है। राऊ पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्ट मार्टम करवाया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राऊ में मनोज सूले भी शामिल हुए थे। सूले ने राहुल गांधी को पीतल की गदा भेंट की थी।

जोन-1 के डीसीपी विनोद कुमार मीना के मुताबिक नयापुरा(राऊ)निवासी मनोज नंदराम सूले का केट रोड़ पर सूले कोल्ड स्टोरेज है।बुधवार सुबह करीब सात बजे घर से निकल गए थे।परिचित उमेश वर्मा की दुकान बाबा कुल्फी पर कुछ देर रुके और दोस्तों से बातचीत भी की। आधा घंटा रुक कर मनोज सीधे कोल्ड स्टोरेज पहुंचे और अपने कैबिन में चले गए। मनोज ने जाते ही रस्सी का फंदा बनाकर पंखे से लटक कर फांसी लगा ली। टीआइ राजपालसिंह राठौर के मुताबिक मनोज की मां ने उन्हें कई बार काल लगाए लेकिन फोन रिसिव नहीं हुआ। शक होने पर उन्होंने मनोज के बेटे राजेश को कोल्ड स्टोरेज भेजा। मनोज की कार बाहर खड़ी हुई थी।चौकीदार ने कहा वो आते ही कैबिन में चले गए थे। दरवाजा अंदर से बंद था।टीआइ के मुताबिक कैबिन से सुसाइड नोट नहीं मिला है। स्वजन अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है।

एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी के बाद घटी यात्रियों की संख्या

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। भोपाल और इंदौर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी के ई-मेल के बाद यात्री संख्या में गिरावट आई है। कल सामने खबर आने के बाद 200 यात्रियों की संख्या में कमी दिखी है। एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी के बाद पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। एयरपोर्ट पर तैनात स्पेशल फोर्स और खुफिया एजेंसी ने मैदान संभाल लिया है। कल पार्किंग से लेकर एयरपोर्ट टर्मिनल तक विशेष चेकिंग शुरू रही। ऐरोड्रम पुलिस इस मामले में जांच पड़ताल कर रही है। खबर सामने आने के बाद इंदौर एयरपोर्ट पर आगमन यात्रियों की संख्या में गिरावट आई है। 28 अप्रैल को इंदौर एयरपोर्ट आगमन यात्री संख्या 5161 थी जो बम से उड़ाने की खबर के बाद 29 अप्रैल आगमन यात्री 4982 रही।

आरएसएस के अभय जैन को भाजपा में लाने की महामंत्री को दी थी जिम्मेदारी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर से कांग्रेस के अक्षय कांति बम समेत कई निर्दलीय प्रत्याशियों ने नामांकन वापस लेकर बीजेपी के लिए मैदान खुला छोड़ दिया है।

इस बीच आरएसएस में काम कर चुके अभय जैन को भी भाजपा में शामिल करने के लिए विधायक रमेश मेन्दोला ने युवा मोर्चा के निक्की राय को जिम्मेदारी दी थी लेकिन नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया तब तक समाप्त हो चुकी थी।

इधर अभय जैन जनहित पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी चंद कार्यकताओं के साथ प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। उनका कहना है कि भाजपा लोकतंत्र को खत्म करना चाह रही है और वह प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर में जनता को न्याय दिलाना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी उन पर न दबाव बना सकती और न प्रलोभन दे सकती है। जनहित पार्टी के अभय जैन लगातार शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क करते हुए नजर आ रहे हैं। इसी बीच उन्होंने आज मीडिया से चर्चा की और कहा कि भाजपा के कई नेताओं ने उनसे संपर्क किया था। वह आरएसएस में भी काम कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि उनके साथी को भी प्रलोभन आया था और उनके समर्थकों को मुख्यमंत्री से मंच पर स्वागत करने का भी आश्वासन दिया था। लेकिन उनके कार्यकर्ता उनके साथ में हैं और इसी कारण आज वह मैदान में हैं। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि जो हो रहा है वह गलत है। लोकतांत्रिक देश है और सभी को अपनी बात कहने का अधिकार है। भाजपा जो कर रही है वह बीजेपी, हिंदू और भारत के चरित्र के विरुद्ध है। यह विदेशी लोकतंत्र में होता है कि आप चर्चा से भाग रहे हैं। बीजेपी के इस चरित्र को जनता नकार देगी।

रणजीत हनुमान में भगदड़ से नहीं अटैक से हुई थी श्रद्धालु की मृत्यु

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जिला प्रशासन ने उन खबरों का का खंडन किया है जिसमें कहा गया है कि रणजीत हनुमान में भगदड़ और धक्का मुक्की से एक श्रद्धालु की मृत्यु हो गई थी। श्रद्धालु की मृत्यु साइलैंट अटैक से हुई है। गत रात्रि रणजीत हनुमान मंदिर इंदौर पर भंडारे का आयोजन किया गया था। भंडारा 5:30 बजे से प्रारंभ होकर रात्रि 2:00 बजे तक अनवरत चला। भंडारे में अत्यधिक जनसैलाब था। भंडारे में लगभग 40 हजार से 50 हजार श्रद्धालु आए थे। भंडारे की लाइन में लगे विजय पिता सुंदरलाल प्रजापत उम्र 48 वर्ष वजन120 किलो निवासी 142/3 गोविंद कॉलोनी मल्हारगंज इंदौर मोबाइल 9039319104 रात्रि करीबन 11.15 बजे लाइन से कैंपस में आने के बाद चक्कर खाकर गिर गये*। उन्हें पुलिस बल व कार्यकताओं की सहायता से समीप में स्थित यूनिक हॉस्पिटल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे साइलेंट अटैक आने के कारण मृत घोषित किया। कुछ लोगों द्वारा भगदड़ जैसी खबर चलाई जा रही है जबकि घटना जहाँ हुई वहाँ भगदड़ जैसा कुछ नही हुआ। थाना प्रभारी अन्नपूर्णा श्री संजू कामले भी वही नजदीक थे, सीसीटीवी भी उउळश रेकॉर्डिंग में भी भगदड़ जैसा कुछ नही है।

जिनके पास हुकमचंद मिल की वेतनपर्ची नहीं... उनका सत्यापन भविष्य निधि से कर भुगतान करो

हुकमचंद मिल बंद होते वक्त मिल में 5895 मजदूर काम करते थे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

हुकमचंद मिल मामले में बुधवार को हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि जिन मजदूरों के पास वेतनपर्ची नहीं है उनका सत्यापन भविष्य निधि विभाग कर उन्हें भुगतान करें। मजदूरों ने एक आवेदन देकर जल्द से जल्द भुगतान दिलवाए जाने की मांग की थी। कोर्ट को बताया गया कि हाई कोर्ट के आदेश पर बनी समिति ने

2748 मजदूरों के फार्म की जांच कर उन्हें परिसमापक को सौंपा था। इनमें से अब तक 2507 को ही भुगतान मिला है।

परिसमापक की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि शेष मजदूरों के पास वेतनपर्ची नहीं होने से भुगतान अटका है। इस पर कोर्ट ने भविष्य निधि विभाग से सत्यापन कराने के लिए कहा। मामले में अब जुलाई के पहले सप्ताह में सुनवाई होगी। 12 दिसंबर 1991 को हुकमचंद मिल बंद होते वक्त मिल में 5895 मजदूर काम करते थे। इन मजदूरों के बकाया भुगतान के लिए मप्र हाउसिंग बोर्ड ने 20 दिसंबर 2023 को परिसमापक के खाते में 217 करोड़ 86 लाख रुपये की रकम जमा कराई थी। मिल के मजदूरों को दस्तावेज सत्यापन के बाद भुगतान किया जाना है। श्रमिक नेता नरेंद्र श्रीवंश ने बताया कि मजदूर यूनियन ने दस्तावेजों को सत्यापित कर हाई कोर्ट के आदेश पर बनी समिति को सौंप दिया है, इसके बावजूद कई मजदूरों को भुगतान नहीं मिल रहा। हमने कोर्ट से शीघ्र भुगतान के आदेश देने की मांग की है। कोर्ट के आदेश के बाद उन मजदूरों को राहत मिल गई जिनके पास वेतनपर्ची नहीं है।

13 मई को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा मतदान

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन हेतु 13 मई को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। मतदान शुरू होने के डेढ़ घंटे पहले सुबह साढ़े पाँच बजे से मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। यह प्रक्रिया अभ्यर्थी या उसके अधिकृत एजेन्ट की उपस्थिति में होगी। यदि कोई अभ्यर्थी या उसका एजेन्ट सुबह साढ़े पाँच बजे मतदान केन्द्र पर उपस्थित नहीं होता है, तो 15 मिनट तक उसका इंतजार किया जाएगा। इसके बाद मतदान दलों और अन्य सदस्यों की उपस्थिति में मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी। न्यूनतम 50 वोट से मॉकपोल किये जाने का प्रावधान है, जिसमें नोटा भी शामिल होगा।

जिएँ समानुभूति और सहानुभूति आधारित जीवन...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, जैसा कि हमने पूर्व में इसी कॉलम में चर्चा करी थी कि `देना ही पाना है...' ठीक उसी तरह मेरा मानना है कि देने से कभी कम नहीं होता। अर्थात् अगर आप एक हाथ से दूसरों की मदद करते हैं तो ईश्वर दूसरे हाथ से आपकी मदद हाथों-हाथ करता है और अगर आप इस सूत्र को अपने परिवार के अंदर अपना लें, तो फिर बात ही क्या है। जी हाँ दोस्तों, आप स्वयं सोच कर देखिए अगर भाई-भाई की, भाई-बहन की, एक रिश्तेदार दूसरे रिश्तेदार की या एक पड़ोसी दूसरे पड़ोसी की मदद करने लगे तो फिर माहौल कितना अच्छा बन सकता है। चलिए, इसी बात को हम एक कहानी के माध्यम से समझने का प्रयास करते हैं।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

बात कई साल पुरानी है, राजेन्द्रनगर नामक गाँव में दो भाई रहा करते थे, जिन्होंने बचपन में ही अपने माता-पिता को खो दिया था। इसलिए बड़े भाई ने ही बड़ी विपत्तियों के बीच छोटे भाई के लालन-पालन की ज़िम्मेदारी उठाई थी। बड़ा भाई खेती-किसानी कर किसी तरह दोनों के जीवन को चला रहा था। उसकी प्राथमिकता हमेशा अपने छोटे भाई को अच्छी शिक्षा और संस्कार देने की रहती थी। कुछ वर्षों बाद छोटे भाई ने भी अपने बड़े भाई का खेती-किसानी में हाथ बँटाना शुरू कर दिया, जिसके एवज़ में बड़े भाई ने उससे आधी फसल साझा करना शुरू कर दिया। कुछ वर्षों बाद बड़े भाई की शादी हो गई और फिर दो बच्चे। अब बड़े भाई का परिवार चार लोगों का हो गया था। एक दिन खेत में काम करते वक़्त छोटे भाई के मन में विचार आया कि उपज का आधा-आधा बँटवारा करना उचित नहीं है। चूँकि मैं अकेला हूँ इसलिए मेरी आवश्यकता भी कम है और भाई का परिवार बड़ा है तो उसकी आवश्यकता भी बड़ी है। इस विचार के आते ही छोटे वाले भाई ने रात्रि के समय चुपचाप अनाज का एक बोरा ले जाकर भाई के खेत में रख दिया। इसी दौरान बड़े भाई के मन में विचार आया कि बराबर का बँटवारा करना कहीं से भी उचित नहीं है क्योंकि मेरे पास मेरा ध्यान रखने के लिए पत्नी और बच्चे हैं, लेकिन मेरे भाई का तो कोई परिवार नहीं है। भविष्य में अगर उसकी देखभाल करने वाला कोई नहीं हुआ तो परेशानी हो जाएगी। इससे बचने का एक ही तरीक़ा है, मुझे भाई को अतिरिक्त अनाज देना चाहिये। इस विचार के साथ ही बड़े भाई ने भी छोटे भाई के खेत में एक बोरी अनाज रखना शुरू कर दिया। यह सिलसिला बहुत दिनों तक चलता रहा। अर्थात् दोनों भाई कई दिनों तक एक दूसरे के खेत में अनाज के बोरे रखने लगे। समय यूँ ही बीतता रहा और दोनों भाई एक दूसरे से अनजान इस उलझन में पड़ गये कि इतने बोरे अनाज देने के बाद भी वह क्यों कम नहीं हो रहा है। एक दिन बड़े भाई ने इसका राज पता करने का निर्णय लिया और रात को छोटे भाई के खेत में अनाज का बोरा रखने के बाद अपने खेत में छुप कर बैठ गया। थोड़ी देर बाद छोटे भाई को अपने खेत में अनाज का बोरा लाते देख वो आश्चर्यचकित था। जैसे ही छोटे भाई ने अनाज का बोरा उसके खेत में रखा, वह दौड़ता हुआ उसके पास गया और उसे गले लगा लिया और रोने लगा। आज दोनों भाइयों को पता चला था कि आखिर इतने दिनों से हो क्या रहा है? वे खुशी से एकदूसरे के गले लगाकर रोने लगे। दोस्तों, यह तो एक काल्पनिक क़िस्सा था लेकिन सोच कर देखिए अगर हमारा समाज ऐसा हो गया तो क्या होगा? निश्चित तौर पर चारों ओर समृद्धि और संतुष्टि नज़र आएगी। लोग एक दूसरे से होड़ या प्रतिस्पर्धा कर दूर होने के स्थान पर एक-दूसरे के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार कर साथ रह पाएँगे। इसीलिए दोस्तों, हर समझदार इंसान अपना जीवन सहानुभूति और समानुभूति के आधार पर जीता है। एक बार विचार कर देखियेगा...

अभ्यर्थियों के व्यय लेखा का होगा निरीक्षण

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निदेर्शानुसार अभ्यर्थियों को निर्वाचन के दौरान किये जाने वाले व्यय का लेखा संधारित करना होगा। इस संबंध में उनके द्वारा संधारित व्यय लेखे का तीन बार निरीक्षण व्यय प्रेक्षक के समक्ष किया जायेगा। इसके लिए अलग-अलग तीन तिथियाँ निर्धारित की गई है, जिसमें प्रथम निरीक्षण 02 मई 2024 को कलेक्टर कार्यालय जिला इंदौर के कक्ष क्रमांक-108 में किया जायेगा। जिसका समय प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा। व्यय लेखा के निरीक्षण हेतु संबंधित अभ्यर्थी/अभिकर्ता निर्धारित तिथि पर निर्वाचन व्यय रजिस्टर व अन्य समस्त दस्तावेजों के साथ नियत समय एवं स्थान पर अनिवार्यतः उपस्थित रहेंगे, जहां व्यय प्रेक्षक द्वारा समस्त दस्तावेजों का निरीक्षण किया जायेगा।

एक्टर राजकुमार राव पहुंचे इंदौर, फिल्म श्रीकांत-आ रहा है सबकी आंखें खोलने का किया प्रमोशन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर आज बॉलीवुड के जानें-मानें एक्टर राजकुमार राव पहुंचे। उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म श्रीकांत-आ रहा है सबकी आंखें खोलने का प्रमोशन किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि इंदौर और एमपी मेरे दिल के करीब है। इंदौर ऐसा शहर है जहां बार-बार आना चाहता हूं। मुझे यहां आकर एक अलग फील आता है। यही नहीं राजकुमार राव ने इंदौरी के पोहे और जलेबी का लुत्फ भी उठाया। फिल्म का प्रमोशन करते हुए राजकुमार राव ने कहा कि यह फिल्म दृष्टिबाधित व्यक्ति की यात्रा को दिखाती है। यह उसके अनूठे चरित्र और बुद्धिमत्ता की कहानी भी दिखाती है। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे शख्स अपनी विकलांगता को कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी ताकत बनाता है।

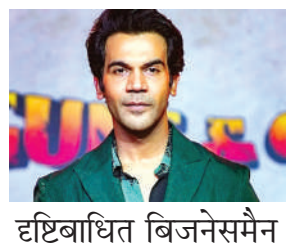

दृष्टिबाधित बिजनेसमैन की कहानी पर आधारित है फिल्म

इस फिल्म में राजकुमार राव दृष्टिबाधित बिजनेसमैन श्रीकांत बोला का रोल प्ले कर रहे हैं। शुरूआत से ही पढ़ाई लिखाई में श्रीकांत माहिर थे, लेकिन हायर स्टाडीज के लिए उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ी।उन्हें भारत में साइंस पढ़ने की अनुमति नहीं थी। उन्हें दुनिया की मशहूर यूनिवर्सिटीज से पढ़ने के लिए बुलावा आया। श्रीकांत ने अपने दम पर दुनिया के सामने अपनी पहचान बनाई।

विभागीय जांच के मामले 30 जून तक करना होंगे निराकृत

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने आज एक वर्चुअली बैठक में इंदौर संभाग में लंबित विभागीय जांच के प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों के निराकरण में गति लाई जाए। प्रकरणों के निराकरण के लिए समय सीमा तय की जाए। उन्होंने निर्देश दिए की सभी लंबित प्रकरण हर हाल में 30 जून तक निराकृत हो जाएं।

विरासत टैक्स-एक विश्लेषण

लोकसभा के चुनावी माहौल में विरासत टैक्स को लेकर इतनी अधिक चर्चा का माहौल भारत के इतिहास का पहला अवसर है। हमारे देश में विरासत टैक्स 1953 से लागू किया गया था। किसी व्यक्ति के न रहने पर उसके द्वारा उसके द्वारा छोड़ी गई चल एवं अचल संपत्तियों पर एस्टेट ड्यूटी के नाम से कर लगाया जाता था। करयोग्य संपत्ति का निर्धारण करने के लिए एस्टेट ड्यूटी के अंतर्गत विभिन्न प्रावधान किए गए थे। निर्धारित श्रेणी की संपत्तियों को एस्टेट ड्यूटी से मुक्तरखा गया था। करयोग्य संपत्तियों की कुल राशि न्यूनतम छूट सीमा से अधिक होने पर करयोग्य संपत्तियों पर स्लेब के अनुसार यह ड्यूटी लगाई जाती थी। करयोग्य संपत्तियों की कुल राशि अधिक होने पर बड़ी हुई दर से एस्टेट ड्यूटी आरोपित की जाती थी। इसे हटाने के पीछे इससे राजस्व की बहुत कम प्राप्ति होने एवं करदाताओं को परेशानी अधिक होना बताया गया था

वेतनभोगी कर्मचारी के नहीं रहने की स्थिति में, उसके कर्मचारी पीएफ की राशि को निकलने के लिये भी इस्टेट ड्यूटी का सर्टिफिकेट प्राप्त करना होता था। ऐसे प्रकरणों में उनके परिवारजनों को अनेको कठिनाईयों का सामना करना होता थो राजीव गांधी की सरकार में वित्त मंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने 16 मार्च 1985 से इसकी समाप्ति की घोषणा की थी। उपरोक्त ड्यूटी से बचने के लिए व्यक्ति द्वारा अपने जीवन काल में कानूनी रूप से उपलब्ध विभिन्न तरीको को जैसे गिफ्ट, ट्रस्ट का निर्माण आदि उपाय किए जाते थे। हमारे देश में पहले गिफ्ट के व्यवहार पर गिफ्टटैक्स कानून के अनुसार गिफ्टटैक्स लगाया जाता था। इसे गिफ्ट देने वाले व्यक्ति को देना होता था। इसमें परिवर्तन कर गिफ्ट लेने वाले व्यक्ति पर यह कर लगाया गया था। बाद में गिफ्टटैक्स 30 सितंबर 1998 के बाद पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया। कुछ वर्षों पूर्व आयकर कानून में संशोधन द्वारा करदाता के करीबी रिश्तेदारों के अतिरिक्त अन्य व्यक्तियों से एक वित्तीय वर्ष में ?50,000 से अधिक गिफ्ट मिलने पर आयकर लगाने का प्रावधान किया गया है। फल स्वरुप इन्कम टैक्स एक्ट में गिफ्ट टैक्स को अप्रत्यक्ष रूप से पुनः लागू किया गया है। धनवान व्यक्तियों पर हमारे देश में वेल्थटैक्स के नाम से प्रतिवर्ष वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन करयोग्य वेल्थ पर निर्धारित दरों से वेल्थटैक्स लगाया जाता था।जिसे कर निर्धारण वर्ष 2016-17 से समाप्त कर दिया गया था। इसे समाप्त करने का कारण इससे बहुत कम राजस्व प्राप्ति बताया गया था। जब वेल्थ टैक्स समाप्त किया गया, उस समय वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन अर्थात 31 मार्च को करदाता की समस्त चल और अचल सम्पत्तियों का, निर्धारण छूट प्राप्त सम्पत्तियों को छोड़ कर, करयोग्य सम्पत्तियाँ जिसमे प्लाट, सोने, चाँदी के गहने इत्यादि शामिल होते थे। उनका बाजार मूल्य रू. तीस लाख से अधिक होने पर वेल्थटैक्स का दायित्व आता था, जिसका भुगतान प्रतिवर्ष करना होता था। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष द्वारा पिछले महीने अमेरिका के शिकागो में भारत वर्ष में विरासत टैक्स लगाने की पैरवी कर चुनावी माहौल में चचाओं को गर्म कर दिया है। उनके द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अमेरिका में यदि कोई व्यक्ति एक मिलियन डॉलर की संपत्ति को छोड़कर मर जाता है, तो उस पर 55% विरासत टैक्स लगाया जाता है एवं केवल 45% संपत्ति ही उसके उत्तराधिकारी को प्राप्त होती है। विश्व के अन्य देशों में भी इस प्रकार का टैक्स लगाया जाता है। परंतु हमारे देश का सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक परिवेश अत्यंत भिन्न है। अर्थशास्त्री मिल्टन फिडमन जिनकों 1976 में नोबल पुरस्कार मिला था, उन्होंने अपनी पुस्तक केपिटलाइजेशन एंड फ्रीडम में इस प्रकार के कर को 1962 में पूर्णतः अनुचित ठहराया था। स्वीडन, न्यूजीलैंड, नार्व, ऑस्ट्रेलिया में भी विरासत टैक्स वर्षो पूर्व समाप्त किया जा चुका है। चीन में भी यह कर नहीं है। पाश्चात्य देशों का अनुसरण करने के पूर्व संपूर्ण स्थितियो पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक है। इससे बचत या निवेश से अधिक उपभोग की ओर करदाता आकर्षित होते हैं। यह संपदा के सृजन में बाधक होता है।देश में उद्योग व्यापार एवं उनके विकास में गतिरोध उत्पन्न करता है। किसी भी कर को लगाने से पहले आर्थिक पहलू को देखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्या करदाता द्वारा विभिन्न करों के भुगतान के पश्चात एकत्रित की गई संपत्तियों पर विरासतकर दोहरा करारोपण नहीं होगा ? इस पर गंभीर रूप से चिंतन करना आवश्यक है। समाज में आर्थिक असमानता कम करने की आवश्यकता, संपदा का पूर्ण वितरण, आम लोगों के हित में करने की आवश्यकता है। असमानता को दूर करने की आवश्यकता, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का उत्थान करने की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाना आवश्यक है। परंतु इसकी नीतियो का निर्धारण राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उचित नहीं होगा।

गोविन्द अग्रवाल,
चार्टर्ड अकाउंटेंट

ग्लोबल हेराल्ड

ट्रैफिक, ऑफिस व संस्थानों के टाइमिंग के आधार पर तय होगा टाइम

प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो ऑपरेशन के लिए डेडलाइन तय

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहरवासियों को पांच माह बाद मेट्रो में सफर का आनंद मिल सकेगा। मेट्रो रेल प्रबंधन द्वारा सुपर कॉरिडोर पर प्रायोरिटी कॉरिडोर के 5.9 किलोमीटर हिस्से पर सितंबर में कमर्शियल रन होगा। प्रायोरिटी कॉरिडोर के रूट पर मेट्रो के पांच स्टेशन है। टाइमिंग के आधार पर ही मेट्रो कोच का संचालन किया जाएगा।

मेट्रो के निर्माण की रफ्तार अभी थोड़ी धीमी जरूर हुई है, लेकिन प्रायोरिटी कॉरिडोर के बाद मेट्रो प्रबंधन द्वारा रेडिसन चौराहे तक मार्च 2025 तक अगले एक साल में मेट्रो के संचालन की योजना बनाई गई। वर्तमान में पांच मेट्रो कोच सेट आ चुके है। अगस्त के बाद एक एक करके अन्य आठ कोच भी वडोदरा से आएंगे। ऐसे में रेडिसन तक मेट्रो का संचालन शुरू होने तक इंदौर में मेट्रो प्रबंधन के बेड़े में 13 कोच होंगे। इसके माध्यम से मेट्रो का संचालन होगा। बंगाली चौराहा का मेट्रो स्टेशन बंगाली चौराहा से टेलीफोन नगर के बीच बनाया जाएगा। हालांकि,

अभी स्टेशन की जगह पूरी तरह तय नहीं है, क्योंकि वहां मेट्रो स्टेशन तक आने-जाने के लिए दोनों तरफ सीढ़ियां और एस्केलेटर लगाने के लिए भी जमीन की जरूरत होगी। इधर, रोबोट चौराहा से पलासिया के आगे तक मेट्रो कॉरिडोर बनाने वाली आरवीएनएल और यूआरसी ने अफसरों का कहना है कि रोबोट चौराहा से बंगाली चौराहा के बीच काम शुरू करने से पहले मेट्रो कंपनी को नगर निगम से कहकर बाधाएं हटवाना पड़ेगी। इनमें मुख्य रूप से रोड डिवाइडर, सेंट्रल लाइटिंग, ग्रीन बेल्ट और रैलिंग, बिजली के खंभे आदि प्रमुख हैं। इसके लिए प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।

बंगाली चौराहे से टेलीफोन नगर चौराहे के बीच बनेगा मेट्रो स्टेशन

बंगाली चौराहे के पास आईडीए की जमीन पर बैरिकेडिंग कर दी है। वहां फिलहाल कंपनी अपने वाहन खड़े कर रही है। अफसरों का कहना है कि मेट्रो कॉरिडोर का काम रिंग रोड से कनाड़िया रोड की तरफ बढ़ेगा, तो कॉर्नर वाले प्लॉट पर वायाडक्ट के पिलर बनाए जाएंगे। ये प्लॉट मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कंपनी लि. ने आईडीए से 28 करोड़ रुपए में लिया है। यहां छोटे बड़े दर्जनभर से ज्यादा प्लॉट थे। इस पूरी जमीन का आकार लगभग 20-22 हजार वर्गफीट है। हालांकि, बंगाली चौराहे के आसपास काम की गति 2025 में ही दिखेगी, क्योंकि उससे पहले कंपनी को रोबोट चौराहे से खजराना चौराहा होते हुए बंगाली चौराहा तक वायाडक्ट और मेट्रो स्टेशन का काम पूरा करना होगा। दूसरे चरण में कनाड़िया रोड और फिर पत्रकार चौराहे से पलासिया के आगे तक मेट्रो कॉरिडोर बनाया जाएगा।

घोटाले का पैसा बैंक में जाने के बाद नकद निकाल कर बंटता था, विभागीय जांच पूरी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

नगर निगम में हुए ड्रेनेज घोटाले की विभागीय जांच लगभग पूरी हो चुकी है। उसे प्रदेश सरकार को भेजा जा रहा है। इस घोटाले का मास्टर माइंड नगर निगम का इंजीनियर अभय राठौर है। उसके ही इशारों पर ठेकेदार फर्जी फाइल तैयार करते थे और लेखा विभाग के कर्मचारी उन्हें मंजूर कराने में मदद करते थे। पांच फर्मों के ठेकेदारों के दस सालों के कामों की फिलहाल जांच के दायरे में लिया है। इन फर्मों की 188 फाइलों की जांच की जा रही है।

जांच में यह पता चला है कि नगर निगम से जैसे ही ठेकेदारों के बैंक खातों में पैसा जाता था, उसे तत्काल नकद के रुप में निकाल लिया जाता था। उन खातों से आनलाइन ट्रांजेक्शन नहीं होता था। इस वजह से अफसर यह नहीं पता कर पा रहे है कि घोटाले का पैसा कहां-कहां बांटा जाता था। जांच कर रहे अफसरों को यह पता चला है कि ठेकेदारों को भी पूरा पैसा नहीं मिलता था। घोटाले की राशि में सबसे ज्यादा पैसा इंजीनियर अभय राठौर रखता था। इसके अलावा लेखा विभाग का इंजीनियर राजकुमार सालवी व अन्य कर्मचारियों को भी राशि मिलती थी। इसके बाद ठेकेदारों को पैसा मिलता था।

दस सालों के कामों की जांच

पांच फर्मों को दस सालों में जितने काम दिए गए। उसे जांच के दायरे में लिया गया है। ठेकेदारों के बैंक खाते और ट्रांजेक्शन की जांच भी जा रही है। जांच रिपोर्ट लगभग तैयार हो चुकी है। उसे गुरुवार को राज्य सरकार को भेजा जाएगा।

-शिवम वर्मा, निगमायुक्त

जिस विभाग में भेजा वहां घोटाले किए

इंजीनियर अभय राठौर लंबे समय तक जल यंत्रालय में रहा। यहां किराए के टैंकर लगाने का जिम्मा उसके पास रहता था। वह कागजों पर अपने रिश्तेदारों के टैंकर किराए पर लगाता था। 15 साल पहले हुए यशवंत सागर पाइप घोटाले में भी वह निलंबित हो चुका था। स्वच्छता मिशन के काम की जिम्मेदारी मिली तो वहां भी इन ठेकेदारों के जरिए घोटाले किए। ड्रेनेज विभाग में फर्जी फाइल बनाने की जांच चल ही रही है। लोकायुक्त छापे के बाद राठौर को फिर निलंबित किया गया और उसे ट्रेंचिंग ग्राउंड भेजा गया था। तब उसने वहां भी चार करोड़ के घोटाले को अंजाम दे डाला।

आर्थिक रूप से कमजोर समाजजन की मदद करने का लिया संकल्प

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

अक्षय तृतीया पर निकलने वाली भगवान परशुराम की शोभायात्रा के पूर्व कल एयरपोर्ट रोड स्थित हंसदास मठ में सर्व ब्राह्मण युवा परिषद द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार आयोजित होने वाले एकता सम्मेलन में कल हजारों की संख्या में ब्राह्मण समाज के महिला और पुरूष शामिल हुए। शोभायात्रा संयोजक योगेंद्र महंत ने सभी विप्र बंधुओं के सामने एक प्रस्ताव रखा, जिसमें उन्होंने सभी को संकल्प दिलवाते हुए कहा कि हम अपने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की हरसंभव मदद करेंगे। सर्व ब्राह्मण युवा परिषद के संयोजक संजय तिवारी, अध्यक्ष लोकेश शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज परशुराम जयंती को ब्राह्मण एकता दिवस के रूप में मनाए, जिससे समाज संगठित होगा। हमारी समाज की युवा परिषद प्रतिवर्ष आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दे रही है। 9 साल में यह कोष 2 लाख से बढकर 20 लाख के करीब पहुंच गया है। इस वर्ष करीब 40 लाख रुपए की मदद करेंगे।

जीएसटी राजस्व जुटाने में देश में अव्वल रहा मप्र

इंदौरः जीएसटी राजस्व वृद्धि दर के मामले में मप्र देश में सबसे आगे हो गया है। देश में अप्रैल में जीएसटी राजस्व की वृद्धि दर पिछले साल अप्रैल की तुलना में 11 प्रतिशत रही, जबकि मध्यप्रदेश में यह बढ़ोतरी बीते साल के मुकाबले 30 प्रतिशत रही। इसके साथ अप्रैल की जीएसटी राजस्व वृद्धि दर में मध्यप्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 के अप्रैल में 2865 करोड़ रुपये जीएसटी राजस्व प्राप्त हुआ था। इसकी तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 के माह अप्रैल में जीएसटी अंतर्गत 3713 करोड़ रुपये का राजस्व प्रदेश से संग्रहीत हुआ। यह न केवल बीते साल इसी अवधि से 30 प्रतिशत ज्यादा है बल्कि जीएसटी लागू होने के बाद अब तक किसी भी माह में जुटाया गया अधिकतम राजस्व है।

चौबीस घंटे में नहीं बुझी जंगल की आग तो वनकर्मियों पर होगी कार्रवाई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

तापमान बढ़ते ही मध्य प्रदेश के जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। बीते डेढ़ महीने में 550 से ज्यादा बार मध्य प्रदेश का जंगल सुलगा, जिसमें कई घटनाओं में आग बुझाने में वनकर्मियों को समय लग गया। साथ ही कई वनक्षेत्र में पंद्रह दिन में तीन से चार बार आग लग चुकी है।

इन घटनाओं का आकलन करने के बाद एपीसीसीएफ दिलीप कुमार ने निर्देश दिए हैं कि यदि 24 घंटे के भीतर जंगल की आग नहीं बुझाई तो वनकर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। साथ ही आग लगने की घटनाओं पर प्रदेश के अलग-अलग वनमंडलों से रिपोर्ट मांगी गई है। संतोषजनक जवाब नहीं होने पर

बीट प्रभारी से से लेकर डिप्टी रेंजर और रेंजर को कार्रवाई के दायरे में लिया गया है। मध्य प्रदेश के जंगल में आग लगने की घटना की जानकारी फारेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम के माध्यम से प्रत्येक अधिकारी तक पहुंचती है। वेबसाइट पर दर्ज आकड़ों के हिसाब से 15 मार्च से लेकर 30 अप्रैल तक प्रदेश के जंगलो में आग लगने की 550 घटनाएं हो चुकी है, जिसमें इंदौर वनमंडल के अंतर्गत आने वाले जंगलो में 200 बार से ज्यादा आग लगी है। कुछ घटनाओं में 8 से 10 घंटे आग बुझाने में लगे हैं। तो कहीं चौबीस घंटे से ज्यादा तक जंगल जलने से नुकसान हुआ है। विभाग ने वनमंडलों में हुई घटनाओं का ब्यौरा निकलवाकर जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों को कार्रवाई के दायरे में लिया है। जहां वनकर्मियों की लापरवाही से आग पर काबू पाने में समय लगा वहां पदस्थ अधिकारी-कर्मचारी सख्त एक्शन के दायरे में लाए गए हैं। एपीसीसीफ दिलीप कुमार ने प्रत्येक वनकर्मी और अफसरों को कार्रवाई के दायरे में लिया है। एक बीट में दो स्थानों पर आग की घटना पर बीट प्रभारी को कार्रवाई के दायरे में लिया जाएगा। जबकि एक परिक्षेत्र में 6 स्थान पर घटना दर्ज होने की स्थिति में डिप्टी रेंजर व रेंजर पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं एक उपवनमंडल में 8 से अधिक स्थानों पर आग लगने की घटना होती है तो एसडीओ पर कार्रवाई होगी।

1 लाख से अधिक निकाले तो आएंगे निगरानी टीम की नजर में

इंदौर। नामांकन वापसी की प्रक्रिया के बाद 14 प्रत्याशी लोकसभा चुनाव के लिए मैदान में हैं। 29 अप्रैल को देर शाम चिह्न प्रदान किए जाने के बाद जिला प्रशासन ने कल 14 प्रत्याशियों को चुनाव के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों और जरूरी नियमों की जानकारी दी। बैंक के संदेहास्पद लेन-देन के साथ अभ्यर्थी के रिश्तेदारों के खातों की निगरानी भी की जाएगी। 14 प्रत्याशियों ने कल निर्वाचन कार्यालय में व्यय लेखा से संबंधित जानकारियों के साथ चुनाव के दौरान जरूरी दिशानिदेर्शों के पालन की जानकारी ली। कई प्रत्याशी पहली बार चुनाव लडने के लिए मैदान में हैं। वहीं भाजपा व बहुजन समाज पार्टी राष्ट्रीय पार्टी के रूप में चुनाव लड़ रही हैं। इन्हें नियमों की जानकारी दी गई।

अष्टलक्ष्मी के आशीर्वाद को प्राप्त करने हेतु सहजयोग सरल माध्यम है

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जैसे - जैसे मानव सभ्यता का विकास हुआ, मानव बुद्धि का विकास हुआ, बुद्धि के विकास से मनुष्य ने अनेक संसाधनों का निर्माण किया जो प्रारंभ में कार्य की सुगमता के लिए थे परंतु कालांतर में प्रतिष्ठा का पर्याय बन गए। साधनों व वस्तुओं की बहुतायत ने मनुष्य में उन्हें पाने की लालसा को जन्म दिया और यही लालसा वर्तमान में व्याप्त असंतुष्टि का कारण है। शास्त्रों में इस संसार को भवसागर कहा गया है इसको पार करने का अर्थ होता है परमात्मा से एकाकार होना। वास्तव में यह भवसागर बाहर नहीं बल्कि हमारे भीतर ही स्थित होता है। सूक्ष्म शरीर में नाभि चक्र के चहुं ओर भवसागर विद्यमान होता है। नाभि चक्र श्री लक्ष्मी नारायण का स्थान है। इस चक्र से श्री अष्टलक्ष्मी अपने प्रभाव का प्रसारण करती हैं अष्टलक्ष्मी अर्थात समृद्धि, प्रतिष्ठा, सफलता, कल्याण, धन, पारिवारिक प्रसन्नता, सामूहिकता, आध्यात्मिक उन्नति व शुद्ध विद्या आदि के आशीर्वाद का प्राप्त होना। परंतु इन आशीवार्दों की प्राप्ति के लिए हमें नाभि चक्र के संतुलन की आवश्यकता होती है। इसके लिए सर्वप्रथम हमारे भीतर संतुष्टि, धैर्य, शांति, देने का भाव विकसित होना आवश्यक है क्योंकि यही श्री लक्ष्मी जी के मूलभूत गुण हैं। धन भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आवश्यक है परन्तु धन की लिप्सा व कृपणता हमारे नाभि चक्र को, जो कि यकृत (लिवर) व पेट के अन्य हिस्सों से संबंधित है असंतुलित कर देती है। यह असंतुलन अनेक रोगों को जन्म देता है साथ ही साथ धन प्राप्त होने के पश्चात भी सौभाग्य की प्राप्ति नहीं हो पाती। स्थूल रूप में भी पेट का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा इसका सीधा संबंध भोजन से होता है जो हमें ऊर्जा प्रदान करने का कार्य करता है। भोजन सादा, पौष्टिक ऋतुचर्या के अनुसार होना चाहिए। भोजन के विषय में इच्छा या अनिच्छा से अधिक प्रेम की अनुभूति होनी चाहिए। बहुत अधिक चिंतित अवस्था में, जल्दबाजी में भोजन नहीं किया जाना चाहिए इससे पाचन क्रिया पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। शांतिपूर्ण व आनंदपूर्वक तरीके से भोजन ग्रहण करना एक कला है जो अनेक समस्यायों का स्वयं ही निराकरण होती है। इसके अतिरिक्त भोजन के स्त्रोत अर्थात भोजन को तैयार करने वाला व्यक्ति व उसके भाव भी महत्वपूर्ण होते हैं। हमारे यहां तो कहावत भी है कि, 'जैसा खाए अन्न वैसा बने मन' । स्वस्थ व संतुलित नाभि चक्र ही हमें भवसागर के पार पहुंचा सकता है। सहजयोग श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिस्थापित प्रमाणिक, वैज्ञानिक व सनातन सिद्धांतों पर आधारित ध्यान पद्धति है जो पूर्णतया प्रकृति के नियमों के अनुसार कार्य करती है। सहजयोग में कुंडलिनी जागरण के पश्चात सूक्ष्म शरीर के संतुलन व आत्मज्ञान की प्राप्ति होती है जो हमें जीवन के प्रत्येक आयाम, सामाजिक, शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक का आनंद प्रदान करता है।

दोपहर को पुलिस ने गुंडे की थाने में कराई परेड, रात ही में चाकू अड़ाकर की लूट

इंदौर। इंदौर स्थित बाईपास पर बदमाशों ने एक युवक से चाकू की नोंक पर बाइक और रुपये लूट लिए। पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज किया है। बता दे कि दोपहर को ही पुलिस ने चाकूबाजों की परेड करवाई थी और थाने बुलाकर समझाया था कि अपराध नहीं करना है, लेकिन बदमाशों ने रात को ही चाकू अड़ाकर लूट कर ली। घटना मंगलवार रात करीब 10:30 बजे फीनिक्स सिटाडेल मॉल के पास की है। जहां बदमाशों ने सर्विस रोड़ पर जितेंद्र पुत्र मोतीलाल पंचोली निवासी ओमेक्स सिटी-1 के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया।

आन-बान और शान से, सरकार बने मतदान से, मतदाता जागरूकता रैली में दिया संदेश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के पहले दो चरण में मतदान कम रहा है। अब तीसरे-चौथे चरण में मतदान बढ़ाने की हर तरफ कोशिश की जा रही है। इस मुहिम में छात्र-छात्रा भी पीछे नहीं हैं। गत दिवस विद्यार्थियों ने रैली निकालकर मतदान का संदेश दिया है।

ग्राम बवल्या खुर्द, इंदौर में माउंट इंडेक्स इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने मतदान जागरूकता रैली निकाली। रैली में कुल 70 विद्यार्थी और कुछ शिक्षकों और सहायक को ने जोश के साथ भाग लिया। इसमें छात्रों और शिक्षकों द्वारा ग्रामीणों को मतदान के अधिकार के महत्व के बारे में रैली के माध्यम से जागरूक किया गया। इसमें पोस्टर के जरिए रहवासियों को मतदान के साथ लोकतंत्र में अपने अधिकारों के बारे में संदेश दिए गए। इस दौरान विद्यार्थियों ने अनेक गांवों के लोगों के घर पहुंचकर उन्हें मतदान करने का संकल्प भी दिलाया। छात्रों ने जागरूकता बैनर के साथ छात्रों ने विद्यालय परिसर से रवाना हुए और गांव का भ्रमण कर लोगों को जागरूक किया। इस दौरान छात्रों ने सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो, अपनी ताकत को पहचान,चलो करें हम सब मतदान आदि नारे लगाकर शत प्रतिशत मतदान का संदेश भी दिया। शिक्षकों ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि मतदान संवैधानिक अधिकार है जो देश के नागरिक को प्राप्त है। मतदाता मतदान कर अच्छी सरकार चुनता है जिससे देश का विकास होता है। इसलिए जरूरी है कि हम सभी शत प्रतिशत मतदान करें।

सम्पादकीय

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का नंबर

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए दो चरणों के मतदान होने के साथ ही यह तो सभी जान ही चुके हैं कि केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा अबकी बार 400 पार वाले नारे को अमली जामा पहनाने के लिए साम, दाम, दंड-भेद की नीति अपनाए हुए है। विपक्ष इसे लेकर लगातार आबाज बुलंद कर रहा है, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि उनकी आवाज कहीं सुनी भी जा रही है। दरअसल केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का एक फर्जी वीडियो वायरल होने के बाद दिल्ली पुलिस ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को दिल्ली तलब किया है। खास बात यह है कि पुलिस ने उनसे पर्सलन मोबाइल फोन और सारी डिजिटल डिवाइस के साथ 1 मई को हाजिर होने का हुक्म सुना दिया है। अमित शाह का फर्जी वीडियो वायरल होने के बाद दिल्ली पुलिस ने सैकड़ों लोगों को इस तरह के नोटिस जारी किए हैं, उनमें ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेडी सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकताओं के नाम शामिल हैं। इस मामले को लेकर दिल्ली पुलिस की एक टीम हैदराबाद में मौजूद बताई गई है। इसके साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि अभी और भी लोगों को नोटिस जारी किए जाएंगे, जिसमें कांग्रेस के और कुछ नेता समेत अन्य खास लोग भी शामिल हो सकते हैं। मतलब साफ है कि इस चुनावी बेला में भाजपा को एक ऐसा मामला हाथ लग गया है, जिसके दम पर वह कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेताओं व दमदार जमीनी कार्यकताओं को घेरने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी।

सनत जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

पुलिस की इस कार्रवाई पर कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि इसके पहले सैकड़ों फर्जी और एडिट वीडियो कांग्रेस नेताओं तथा गांधी परिवार के खिलाफ बनाए गए हैं। जिस तरह से दिल्ली पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है, उसका जवाब अब कांग्रेस और विपक्षी दलों की सरकारों द्वारा भी दिया जाएगा। जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। उन राज्यों में भी अब इसी तरह से भाजपा नेताओं के खिलाफ और भाजपा की आईटी सेल के खिलाफ मुकदमें दर्ज किए जाएंगे। दिल्ली पुलिस की कार्रवाई का जवाब अब विपक्षी दलों की ओर से अन्य राज्यों से मिलना तय माना जा रहा है। भारतीय राजनीति जिस ओर जा रही है, उसके बाद अब यह कहा जा सकता है, कि पुलिस और अदालतों के द्वारा राजनीतिक लड़ाई लड़ने की जो नई प्रक्रिया शुरू हुई है यदि यह इसी तरह से चलती रही, तो सभी राजनीतिक दलों के नेता, पुलिस थानों और अदालतों के चक्कर काटते नजर आएंगे। जिसकी जहां पर सरकार है, वह इसी तरह से राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कानूनों का बेजा इस्तेमाल करने से बाज नहीं आएगी। यदि इसी तरह से चलता रहा, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई गैर भाजपा शासित राज्यों द्वारा की जा सकती है। याद करें जब आलू से सोना बनाने का जो फर्जी वीडियो वायरल हुआ था। उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपनी चुनावी सभा में उसी एडिट वीडियो का उल्लेख करते हुए कई सभाओं में भाषण दिए, और राहुल गांधी का माखोल उड़ाया था। दिल्ली पुलिस ने जिस तरह की धाराओं में यह मामला दर्ज किया है। यही मामला अन्य राज्यों में भी भाजपा नेताओं के खिलाफ उन्ही धाराओं में दर्ज होना तय माना जा रहा है। राजनीति की लड़ाई अब मतदाताओं और सड़कों से निकलकर पुलिस और न्यायालयों के इर्द-गिर्द लड़ी जा रही है। इसके क्या परिणाम होंगे, यह तो आने वाला भविष्य ही बताएगा। जिस तरह से राजनीति में कानून का मनमाना इस्तेमाल करके पुलिस और न्यायालय के माध्यम से राजनीतिक लड़ाई लड़ी जा रही है। यह भारतीय राजनीति का एक नया स्वरूप है और इसके दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे, जो लोकतंत्र के लिए कतई सही नहीं कहे जा सकते हैं।

लोकसभा चुनाव में मुद्दों को नया विमर्श दें...

ललित गर्ग | लेखक

लोकसभा चुनावों के प्रचार अभियान में एक आवाज बहुत धीमी पर एक वजन और पीड़ा के साथ सुनने को मिल रही है कि इस चुनाव को येन-केन-प्रकारेण जीतने के सभी जायज एवं नाजायक प्रयोग हो रहे हैं, लेकिन नैतिकता, मूल्य एवं आदर्श की बात कहीं भी सुनाई नहीं दे रही है।

ग्लोबल हेराल्ड

देश का राजनीतिक भविष्य तय करने वाले इन चुनावों में एक और विडम्बना देखने को मिल रही है कि राष्ट्र विकास के मुद्दों एवं आजादी के अमृतकाल को अमृतमय बनाने की कोई चर्चा नहीं है। देश को दिशा देने एवं कोई नया विमर्श खड़ा करने का नेताओं के पास अभाव है, जो अपने-आप में एक त्रासदी है। मतदाताओं की लोकतंत्र के महाकुंभ में भागीदारी का घटना भी एक चिन्ता का सबब है। जबकि किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। विभिन्न राजनीतिक दल आरक्षण का मुद्दा खड़ा करके जहां अल्पसंख्यकों को अपनी ओर खींचने की कोशिश करते हुए भाजपा को आरक्षण विरोधी बता रहे हैं और गृहमंत्री अमित शाह के आरक्षण विषयक बयान को तोड़-मेरोड कर झूठे एवं फेक वीडियो के माध्यम से भाजपा के चरित्र को धुंधला रहे हैं, वहीं आम महिलाओं के डर का सहारा लेते हुए उनके मंगल सूत्र और स्त्री धन को छीन लिए जाने की बात कही जा रही है। सैम पित्रोदा के विरासत कर संबंधी बयान से आम जनता के धन को हथियाने की बातें भी हो रही है। लेकिन प्रश्न है कि क्या कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने की संभावना है?

सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाती है। चुनाव अभियान तीसरे चरण की ओर अग्रसर हैं। सब राजनैतिक दल अपने-अपने ह्यघोषणा-पत्रह्न को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। एक-दूसरे की नीतियों एवं योजनाओं की आलोचना चुनाव का हिस्सा बनी हुई है और बनना भी चाहिए। लेकिन एक-दूसरे पर भीषण एवं भद्दे आरोप लगाना, लोकतंत्र की मयार्दा का उल्लंघन है। परंतु मौजूदा चुनाव प्रचार में राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरसता के ताने-बाने को क्षति पहुंचाने की चेष्टा का होना दुर्भाग्यपूर्ण है। सभी दल भाषणों में नैतिकता की बातें करते हैं और व्यवहार में अनैतिकता को छिपा रहे हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों की ही बात करें तो पिछले सप्ताह तक ही आचार संहिता उल्लंघन की 200 से अधिक शिकायतें आ चुकी है। जिनमें से 169 शिकायतों पर आयोग ने कार्रवाई की है। शिकायतों के आंकड़े बढ़ते ही जा रहे हैं। वास्तव में इन चुनावों में नेताओं ने भाषा एवं भावों को इतना बदरंग, अशालीन एवं भोंथरा कर दिया है कि शर्म-सी महसूस होती है।

दागी उम्मीदवारों के दागों का पदार्पाश होना भी इन चुनावों का हिस्सा है। कथित तौर पर प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े वीडियो क्लिप प्रसारित होने से देखा गया है कि महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की घटना हुई है। रेवन्ना के खिलाफ शिकायत कुछ महिलाओं के शोषण तक ही सीमित नहीं है, अब अनेकों शिकायतें सामने आएगी और हर शिकायत को ईमानदारी से परखना होगा। सबसे ज्यादा गंभीर बात तो यह है कि आरोपी जर्मनी भाग गया? अगर रेवन्ना दोषी हैं तो उन्हें कानून का सामना करना चाहिए। अगर वह कानून से भागेंगे तो इससे उनकी पार्टी और एनडीए दोनों को ही नुकसान होगा। रेवन्ना देश के पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पौत्र है और उन पर लगे आरोप बहुत ही गंभीर और शर्मनाक है। सत्ता का किसी भी प्रकार का दुरुपयोग ज्यादा समय तक लाभकारी नहीं होता है। हमारा समाज ऐसे मुकाम पर आ गया है, जहां हम किसी महिला के साथ न ज्यादती की सुन सकते हैं और न किसी को करने दे सकते हैं। बात प्रज्वल रेवन्ना एवं बृजभूषण शरण सिंह तक सीमित नहीं हैं, विशेषतः चुनाव में ऐसे मुद्दों का उठना प्रासंगिक है, जिससे उम्मीदवारों को अपने गिरेबार में झांकने का अवसर मिलता है। राजनीतिक दलों को भी उम्मीदवारों का चयन करते हुए उनके चरित्र की परख गहराई से करनी ही चाहिए। वर्ष 2024 के चुनावों में हम सात में से तीसरे चरण की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी तक भाजपा की चुनावी थीम सामने नहीं आई है, विपक्षी दलों के घोषणा पत्रों या चुनावी बयानों की चीरफाड ही होती हुई दिख रही है। आतंकवादियों और दुश्मनों को उनके घर में घुसकर मारने की बात करने वाली भाजपा के बयानों में चीन पूरी तरह गायब है और पाकिस्तान का जिक्र भी बहुत कम है। निश्चित ही भाजपा जीत की ओर अग्रसर है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन सुनिश्चित जीत के साथ सुनिश्चित भविष्य की बात भी होनी ही चाहिए। हकीकत में चुनाव में अनेक उतार-चढ़ाव के बावजूद मोदी का जादू चल रहा है, ऐसी अनेक वजहों से 2024 असाधारण रूप से बिना सशक्त मुद्दे के ही गतिमान है। आश्चर्य की बात यह है कि हमारी राष्ट्रीय राजनीति के मौजूदा दौर के सबसे बड़े जादूगर नरेंद्र मोदी ने अब तक इन चुनावों के लिए कोई सशक्त मुद्दा नहीं पेश किया है जो पहले से सातवें चरण तक चल सके। हर चुनावी चरण एवं सभा में एक नया मुद्दा उभर रहा है, जो कुछ दूर चल कर पृष्ठभूमि में चला जाता है। भाजपा की ओर से इन चुनावों में मोदी ही मुद्दा है। चुनाव अभियान का आरंभ करते हुए कहा गया कि नरेंद्र मोदी ही भारत को अधिक ऊंचा वैश्विक कद दिला रहे हैं। भारत मंडपम में जी 20 शिखर बैठक को भुनाने की कोशिश हुई। लेकिन यह भी मुद्दा चुनावी गणित में फिट नहीं हुआ। महिला मतदाताओं को लुभाने का दांव भी चला। निर्वाचन वाली संस्थाओं में महिलाओं के आरक्षण के लिए आनन-फानन में पारित कानून इसका हिस्सा था। लेकिन भाजपा के चुनाव प्रचार में इसका जिक्र भी नहीं सुनने को मिल रहा है। इन चुनावों में भी पार्टी के उम्मीदवारों में महिलाओं की हिस्सेदारी 16 फीसदी है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को भी चुनावों के लिहाज से गर्म मुद्दा माना गया था। इसके बावजूद विभिन्न राज्यों में भाजपा के नेताओं के चुनाव भाषणों पर नजर डालें तो पता चलता है कि उनमें इस पर जोर या इसका जिक्र नहीं है। यह मुद्दा हाल में तब उठा जब ऐसे संकेत मिले कि राहुल और प्रियंका गांधी राम मंदिर जा सकते हैं। कुछ सप्ताह पहले भारत रत्न की घोषणा का मुद्दा भी दूर तक नहीं चल सका। ऐसी अनेक उपलब्धियां एवं ऐतिहासिक कार्य हैं, जो मोदी के कद को ऊंचा तो बनाते हैं, लेकिन चुनाव की दिशा को एकदम एवं दूर तक प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं। बात राज्यों की हो या केन्द्र की, भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग पर चुनावों में चर्चा होनी ही चाहिए। भारत के मतदाता मिलकर सरकारों को जवाबदेह ठहराने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। लेकिन मौजूदा लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदान 2019 की तुलना में 7 प्रतिशत कम हुआ है। यह एक चिंताजनक संकेत है और चुनावी प्रक्रिया से मतदाताओं के अलगाव को दशार्ता है। यह भाजपा के मतदाताओं में चली आई आत्मसंतुष्टि की ओर भी संकेत करता है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल को लेकर आश्वस्त हैं। हालांकि, इसका एक और पहलू यह भी है कि 2023 में, प्यू रिसर्च सेंटर ने भारतीय मतदाताओं का एक सर्वेक्षण किया था, जिसमें पता चला था कि 85 प्रतिशत लोगों ने भारत में सैन्य शासन या निरंकुश नेता का समर्थन किया था। क्या शासन के अच्छे तरीके के रूप में लोकतंत्र के समर्थन में गिरावट का ही परिणाम कम होता मतदान है? अगर मतदाता लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपना विश्वास खो रहे हैं तो यह भारत के लोकतंत्र और भविष्य के लिए चिंताजनक संकेत है। इससे निर्वाचित नेता भी जनता के प्रति जवाबदेही से मुक्त होने लगेंगे। भारत के मतदाताओं को समझना चाहिए कि पिछले सतहत्तर वर्षों में देश की सफलता उसके लोकतंत्र की सफलता पर ही आधारित रही है। इसलिये मतदाता को जागरूक होकर अधिकतम मतदान करना चाहिए। साथ-ही-साथ मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।

अब दल-बदल ही हमारा राजधर्म....

इस युग में यानि कलियुग में आप कह सकते हैं कि मोदी युग में जितने भी राजधर्म होंगे उनमने दल-बदल सबसे बड़ा राजधर्म माना जाएगा। ये भविष्यवाणी करना शायद भगवान भूल गए थे। गलती इंसान से ही नहीं भगवान से भी होती है। दल-बदल को लोकतंत्र का सबसे बड़ा अपराध मानकर कांग्रेस की तत्कालीन सरकार के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने दल-बदल के खिलाफ कानून की नींव रखी। और संयोग देखिये कि आज यही दल-बदल कांग्रेस के लिए अभिशाप और भाजपा के लिए वरदान बन गया है। भविष्य में मुमकिन है कि यदि भाजपा सत्ता में आयी तो इस वरदान को स्थाई बनाने के लिए कोई नया कानून ले आये। क्योंकि दल-बदल राष्ट्रहित में किया जाने वाला सबसे बड़ा सद्कर्म है । आपकी आप जानें किन्तु मुझे शुरू से दल-बदलू पसंद नहीं हैं। मै दल -बदल को प्रश्रय देने वालों के भी खिलाफ हू। दल-बदल चाहे कोई भी दल करे या कराये मुझे देशद्रोही लगते है। लेकिन मेरे लगने या न लगने से क्या होता है ? मै यानि आम जनता दल-बदल को मूकदर्शकों की तरह टुकुर-टुकुर देखने ,सहने के लिए अभिशप्त है। जब राजनीतक दल ही दल-बदल को सबसे बड़ी योग्यता मानते हों तो बेचारा आम आदमी इसके खिलाफ खड़ा होकर कर भी क्या सकता है। मै आपको दल-बदल के इतिहास में नहीं ले जाऊँगा । गूगल पर विकिपीडिया खंगालने के लिए भी नहीं कहूंगा। क्योंकि इससे दल -बदल की सेहत पर कोई असर पड़ने वाला नहीं है।

दल -बदल एक अनवरत, सतत, सनातन कार्य है। त्रेता से होता आ रहा है और कलियुग में तो दल-बदल इतना सुगम हो गया है जितना कि दिल-बदलना । दल बदलने में दिल बदलने से भी कम समय लगता है। इंदौर में कांग्रेस के प्रत्याशी किन्हीं बम साहब के दल-बदल ने ये प्रमाणित कर दिया है। लोग मेडिकल टूरिज्म के लिए दुनिया के कौन-कौन से भारत आते है। मुझे लगता है कि भविष्य में दुनिया के तमाम राजनीतिक दल अपने यहां दल-बदल करने के लिए गुरुदीक्षा लेने भारत आया करेंगे। भारत किसी और मामले में विश्व गुरु हो या न हो किन्तु दल-बदल के मामले में तो ब्रम्हांड गुरु बन चुका है। ये भारत में लोकतंत्र की सेहत के लिए दल-बदल एक अनिवार्य प्रक्रिया है। जो दल जितना जयादा दल-बदल कराएगा उसे उतना मजबूत और लोकतांत्रिक माना जाएगा। एक दल का दुष्ट -पापी दूसरे दल में आते ही दुष्टता और अपने पापों से मुक्त हो जाता है। अर्थात दल-बदल पाप मोचन का सबसे सरल,सुगम और सुबोध तरीका है। हमारे यहां बड़े-बड़े सूरमाओं ने राजे-महाराजों ने दल-बदल किये हैं ,बम टाइप के साधारण लोग उनके सामने कहाँ लगते हैं। आज मान्यता हो गयी है कि जिसने अपने राजनीतिक जीवनकाल में दल-बदल नहीं किया उसने समझो की कुछ नहीं किया। दल के प्रति निष्ठावान बने रहने से क्या मिलता है आखिर ? दल-बदल कीजिये तो नगद नारायण के साथ ही टिकिट,मंत्री पद और न जाने क्या-क्या मिलता है। मै अगर सत्ता में होता या तीसरी बार सत्ता में आने की तैयारी कर रहा होता तो अपने चुनाव घोषणा पत्र में दल-बदल को राजधर्म की मान्यता दिलाने के लिए दल-बदल कानून को ही समाप्त करने का वचन देता । वचन देता ही नहीं उसे प्राण-पण से निभाता भी। आप सोचकर देखिये कि दल-बदल के फायदे कितने हैं और नुक्सान कितने ? गुणा-भाग करने के बाद आप जो हासिल पाएंगे वो लाभ ही निकलेगा । हानि नहीं। दल -बदल में सुविधा ये है कि आप इसे जितनी बार करना चाहें कर सकते हैं। दल-बदल के लिए किसी शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं। इसके लिए जरूरी है आपका किसी एक दल से ऊबना या किसी एक दल से मुक्ति पाना। मै अपने ऐसे कुछ मित्रों को जानता हूँ जिन्होंने एक से ज्यादा बार दल बदल किया। दल -बदल का आध्यात्मिक पक्ष ये है कि इसे घाट-घाट का पानी पीना कहते हैं। आप याद कीजिये कि ये देश पहली बार दल-बदल से नहीं गुजर रहा। देश में भक्तिकाल भी कोई पहली घटना नहीं है। लंकापति रावण के भाई बिभीषनं दल-बदल का आदर्श उदाहरण है। वे दल-बदल न करते तो मुमकिन है कि कभी भी लंकापति नहीं बन पाते। बिभीषन ने समझदारी से होशियारी से हिकमत अमली से , काम लिया और सद्गति को प्राप्त हुए। आज भी दल-बदल करने वाला सबसे पहले बिभीषन जी का आभार प्रकट करता है। करना भी चाहिए ,क्योंकि यदि बिभीषन ने सत्ता-सुख पाने का ये आसान तरीका ईजाद न किया होता तो अधिकांश दलों में लोग चप्पलें घिसते-घिसते मर जाते लेकिन सत्ता सुख हासिल नहीं कर पाते।शरणागत को ही गति मिलती है।आजकल तो राजनीतिक दलों ने अपने-अपने यहां शरणार्थी शिविर खोल रखे हैं। दल -बदल का हासिल ये है कि ये महंगे चुनाव खर्च से मुक्ति दिलाता है। अब जैसे इंदौर में ,खजुराहो में या सूरत में कांग्रेस और सपा के प्रत्याशियों ने जिस साधुवाद से दल बदल किया उसका कितना ज्यादा लाभ इस गरीब देश को हुआ । जनता चुनाव प्रचार की कांय-कांय से बची। सड़के बिद्रूप होने से बचीं और केंद्रीय चुनाव आयोग का अमला चुनावी इंतजाम करने से ,हल्दी लगी और न फिटकरी फिर भी रंग चोखा ही आया। यदि दल-बदल के जरिये देश में पंचाट से संसद स्तर तक के चुनाव कराये जाने की व्यवस्था कर दी जाये तो किसी सरकार को इलेक्टोरल बांड लेकर चुनाव के लिए धन उगाहने की जरूरत ही क्यों पड़े ? क्यों उसे सुप्रीम कोर्ट से खामखां लानत -मलानत का सामना करना पड़े ? भगवान करे कि भारत जैसे लोकतंत्र में दल-बदलुओं को हमेशा परम पद की प्राप्ति हो।

राकेश अचल
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए। अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

व्यापार

क्रेटा, वेन्यू और एक्सटर के दम पर हुंदै मोटर इंडिया की बंपर ब्रिकी

नई दिल्ली ■

मुंबई। वाहन विनिमार्ता कंपनी हुंदै मोटर इंडिया की थोक बिक्री अप्रैल में सालाना आधार पर 9.5 प्रतिशत बढ़कर 63,701 इकाई हो गई। वाहन विनिमार्ता ने अप्रैल 2023 में 58,201 इकाइयों की बिक्री की थी। घरेलू थोक बिक्री अप्रैल में एक प्रतिशत बढ़कर 50,201 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले सामान अवधि में यह 49,701 इकाई थी। इस साल अप्रैल में निर्यात 59 प्रतिशत बढ़कर 13,500 इकाई रहा, जबकि अप्रैल 2023 में यह 8,500 इकाई था। हुंदै मोटर इंडिया के प्रमुख ने कहा कि कंपनी ने इस साल लगातार चौथे महीने 50,000 से अधिक की घरेलू बिक्री दर्ज की। उन्होंने कहा कि क्रेटा, वेन्यू और एक्सटर जैसे मॉडल के दम पर एसयूवी खंड का घरेलू बिक्री में योगदान 67 प्रतिशत रहा।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का मुनाफा 10 गुना बढ़ा

सियोल। जनवरी-मार्च तिमाही में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का परिचालन लाभ 10 गुना होकर 6600 अरब वॉन (4.8 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा। यह पिछले साल की समान अवधि में 640 अरब वॉन (46.5 करोड़ डॉलर) था। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि मेमोरी चिप की ऊंची कीमतों और प्रमुख गैलेक्सी एस24 स्मार्टफोन की मजबूत बिक्री के दम पर कंपनी का राजस्व करीब 13 प्रतिशत बढ़कर 71900 अरब वॉन (52 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गया। एआई चिप की बढ़ती मांग को देखते हुए सैमसंग ने कहा कि उसने इस महीने अपने नवीनतम एचबीएम चिप का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू कर दिया है। दूसरी तिमाही में चिप के 12-लेयर संस्करण का उत्पादन शुरू करने की योजना है। सैमसंग ने एक बयान में कहा ?कि 2024 की दूसरी छमाही में व्यापक आर्थिक रुझानों और भू-राजनीतिक मुद्दों से संबंधित निरंतर अस्थिरता के बावजूद, मुख्य रूप से जनरेटिव एआई से जुड़ी मांग के साथ कारोबारी स्थितियां सकारात्मक रहने की उम्मीद है।

मंडियों में अरहर दाल के दाम बढ़ने से खुदरा बाजार में आया उछाल

नई दिल्ली ■

अरहर यानी तुअर दाल के भाव कम नहीं हो रहे हैं। इससे लोग काफी परेशान है। क्योंकि हमारे देश में अरहर दाल की खपत ज्यादा है। पिछले साल से अरहर की कीमतों में आई तेजी आज भी बनी हुई है। इस साल अरहर के थोक भाव 12,000 रुपए क्विंटल को पार कर चुके हैं। अप्रैल माह में भी मंडियों में अरहर के दाम बढ़े रहे। अरहर के थोक भाव बढ़ने से खुदरा बाजार में अरहर दाल की खुदरा कीमत 200 रुपये किलो पार कर चुकी है।

मंडियों में इस माह अरहर की कीमतों में तेजी देखने को मिली। महाराष्ट्र की प्रमुख मंडी अकोला में एक अप्रैल को अरहर के थोक भाव 10,700 से 10,850 रुपये थे, जो अब बढ़कर 12,000 से 12,200

रुपए क्विंटल तक पहुच गए हैं। मंडी में अरहर दाल के थोक भाव 14,400-15,400 रुपए से बढ़कर 16,100-17,300 रुपये क्विंटल हो गए हैं। दिल्ली की मंडी में अरहर दाल के थोक भाव 1,300 रुपए बढ़कर 16,500-16,600 रुपये क्विंटल हो चुके हैं। मंडियों में अरहर की कीमतों में तेजी का असर खुदरा बाजार पर भी दिख रहा है। आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में अरहर दाल की औसत खुदरा कीमत इस माह 157 रुपए से बढ़कर 170 रुपए, महाराष्ट्र में 159.74 से बढ़कर 167.63 रुपए, मध्य प्रदेश में 150.46 से बढ़कर 157.02 रुपए और यूपी में 143.92 से बढ़कर 147.56 रुपए किलो हो गई है। देशभर में अरहर(तुआर) की औसत खुदरा कीमत इस माह 149.23 रुपए से बढ़कर 152.73 रुपए हो गई है और इसकी अधिकतम खुदरा कीमत 203 रुपए किलो है। कमोडिटी विश्लेषकों के अनुसार सरकार की तमाम कोशिशों के बाद भी अरहर दाल के दाम बढ़ रहे हैं। अरहर की आपूर्ति कमजोर है क्योंकि अरहर का उत्पादन कम हुआ है। इसलिए अरहर दाल महंगी हुई है। एक और कमोडिटी विश्लेषक ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में अरहर दाल के आयात में करीब 10 फीसदी कमी आई है जिससे अरहर के दाम बढ़ रहे हैं। जानकारों के मुताबिक अरहर की आवक कम होने से भी इसकी कीमतों में तेजी को बल मिला है।

सेबी ने म्यूचुअल फंड खातों के लिए नॉमिनी करना वैकल्पिक बनाया

मुंबई ■

सेबी ने कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त रूप से रखे जाने वाले म्यूचुअल फंड खातों के लिए किसी व्यक्ति को नॉमिनी करना वैकल्पिक बना दिया है। साथ ही सेबी ने फंड हाउस को जिंस और विदेशी निवेश की निगरानी के लिए एक ही फंड मैनेजर रखने की अनुमति दी है। इससे उसके प्रबंधन की लागत कम होगी।

सेबी का यह कदम उसके द्वारा गठित एक कार्य समूह द्वारा म्यूचुअल फंड विनियमों की समीक्षा करने और कारोबार को आसान बनाने के लिए उपायों की सिफारिश करने के बाद उठाए हैं। कार्य समूह की सिफारिश के आधार पर सार्वजनिक परामर्श किया गया, जिसमें संयुक्त म्यूचुअल फंड खातों में किसी को नामित करने को

वैकल्पिक बनाने और फंड हाउस को जिंस तथा विदेशी निवेशों की देखरेख के लिए एक ही फंड मैनेजर रखने की अनुमति देने का विकल्प सुझाया गया। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा, तदनुसार यह निर्णय लिया गया है कि संयुक्त म्यूचुअल फंड फोलियो में किसी को नामित करना वैकल्पिक होगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि संयुक्त धारकों के लिए किसी को नामित करने की आवश्यकताओं में छूट फायदेमंद होगी। इससे जीवित सदस्य नामित माना जाएगा जिससे नामांकन की प्रक्रिया सुगम बनेगी।

न्यूज ब्रीफ

चले बूथ की ओर, हम करेंगे शत प्रतिशत मतदान दिव्यांगों के साथ विद्यार्थियों ने दिया संदेश

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। मेरा मत मेरा अधिकार इसका है मुझको अभिमान। कुछ भी हो घर पर काम अवश्य करेंगे हम मतदान। कुछ इस तरह की भावना लेकर दिव्यांग जनों के सुगम मतदान की पहल करते हुए चले बुथ की ओर गतिविधि का आयोजन कुछ अंतःवासी बस्ती मे बने आदर्श मतदान केंद्र पर किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ राहुल हरिदास फटिंग के मार्गदर्शन में स्विप गतिविधि अंतर्गत कुछ अंतवासियों ने आशा इंस्टीट्यूट आफ नर्सिंग के विद्यार्थियों के साथ सहभागिता कर बाधा रहित मतदान के लिए मतदान आकृति बनाकर सत प्रतिशत मतदान का संदेश दिया। इस दौरान दिव्यांग जनों ने मतदान केंद्र पर उपलब्ध करवाई गई सुविधा जिनमे व्हीलचेयर, सुगम रैंप, आदि की सुविधा को देखा एवं अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने एवं मतदाता जागरूकता के लिए कार्य करने की बात कही। मतदाता जागरूकता के लिए आयोजित स्विप गतिविधि में आशा इंस्टीट्यूट आफ नर्सिंग का स्टाफ, जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के पदाधिकारी एवं आशाग्राम ट्रस्ट के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महिलाओं को मुफ्त सैनिटरी पैड दिए जाने की मांग को लेकर साइकिल यात्रा अब तक 55 जिले में पहुंचे बामने

अनूपपुर। मध्यप्रदेश की महिलाओं को निशुल्क रूप से सैनिटरी पैड दिए जाने की मांग को लेकर के नर्मदापुरम निवासी सुरेंद्र बामने बीते 119 दिनों से साइकिल से प्रदेश की यात्रा कर रहे हैं। साइकिल से वह यात्रा करते हुए इसके लिए लोगों को जागरुक करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ ही प्रत्येक जिले के कलेक्टर कार्यालय में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए इस मांग को संज्ञान में लेने की मांग कर रहे हैं। नर्मदापुरम के रहने वाले सुरेंद्र बामने बुधवार को अनूपपुर पहुंचे। वह बीते 119 दिनों से प्रदेश के विभिन्न जिलों की यात्रा करते हुए महिलाओं को निशुल्क रूप से सैनिटरी पैड दिए जाने की मांग को लेकर पूरे प्रदेश की साइकिल यात्रा कर रहे हैं। अभी तक सुरेंद्र ने साइकिल से 2,267 किलोमीटर की यात्रा प्रदेश में की है। सुरेंद्र ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को माहवारी के दौरान सैनिटरी पैड न मिल पाने की वजह से गंदा कपड़ा उपयोग करने से सर्वाइकल कैंसर हो जाने की वजह से उनकी मौत हो जाती है, जिनकी संख्या लाखों में है और इसी परेशानी को देखकर उन्होंने प्रदेश स्तरीय यह यात्रा प्रारंभ की है। सुरेंद्र ने बताया कि वह मुंबई की यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान ट्रेन में उन्होंने एक युवती को माहवारी से परेशान देखा, जिसकी उन्होंने मदद की। इसके बाद से ही उनके मन में यह विचार आया और इसको लेकर के उन्होंने मध्यप्रदेश में इस समस्या से जूझ रही महिलाओं तथा किशोरियों की सहायता करने के लिए यह साइकिल यात्रा अभियान प्रारंभ की।

वोट अवश्य डालें का आव्हान

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। होम मिनिस्टर ग्रुप द्वारा एक ईवेंट में आगामी लोकसभा चुनाव में सभी क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की, ग्रुप की महिलाओं ने क्षेत्र की सभी महिलाओं से मतदान में देश के प्रति अपनी अपनी ज़िम्मेदारी निभाने और अपनी मजी की सरकार चुनने के लिए वोट करने का आह्वान किया। इस अवसर पर ग्रुप की मंजुला शर्मा, मेधा एकड़ी, संगीता मित्तल, निशा चौहान, पम्मी खानुजा, आकांक्षा गर्ग, कल्पना चौधरी आदि उपस्थित रहीं।

भोजशाला में मिला एक और साक्ष्य मूर्ति पर भड़का मुस्लिम पक्ष

भोपाल। धार भोजशाला में एएसआई का सर्वे लगातार चल रहा है। सर्वे के 41वें दिन बुधवार को यहां एक और अहम साक्ष्य मिला। भोजशाला परिसर में पश्चिम में खंभे के अवशेष मिले जिसे संरक्षित किया गया है। इधर भोजशाला के अंदर मूर्ति ले जाने पर मुस्लिम पक्ष भड़क गया। मुस्लिम प्रतिनिधियों ने इसपर गहरी आपत्ति भी जताई। इधर एक मूर्ति अंदर ले जाने पर विवाद उठ गया है। मुस्लिम पक्षकार अब्दुल समद ने बताया कि एक साध्वी अपने साथ मूर्ति लेकर अंदर पहुंची थी। हमें तो डायरी पेन ले जाने से भी रोका जा रहा है। इसको लेकर एएसआई को आपत्ति दर्ज कराई है। इस संबंध में एएसआई के अधिकारियों का कहना है कि साध्वी को अंदर जाने से रोका गया था। अब्दुल समद ने बताया कि बुधवार को दरगाह परिसर में सर्वे का काम बंद रहा। शिलालेखों को पढ़ने के लिए, समझने के लिए टीम भी नहीं आई। हिंदू पक्षकार गोपाल शर्मा ने बताया कि पश्चिम दिशा में खंभे का एक अवशेष मिला है, जिसे टीम ने सुरक्षित रख लिया है। खंभा टूटा हुआ है। शर्मा ने बताया कि भोजशाला के गर्भगृह में 8 पॉइंट बनाए गए थे। वहां से मिट्टी हटाई जा रही है। गर्भगृह के सामने 7 सेक्टर में काम जारी है। मुस्लिम पक्षकार की आपत्ति पर उन्होंने कहा कि यह सनातन मंदिर है। साध्वी ने अपनी मर्यादा का पालन करते हुए ही भोजशाला में प्रवेश किया। नियम का उल्लंघन नहीं किया।

'कांग्रेस इस लायक नहीं कि उसके बारे में कुछ बोला जाए'-उमा भारती

शिवपुरी ■

मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उमा भारती ने कहा कि कांग्रेस आज इस लायक नहीं है कि उसके बारे में कुछ बोला जाए। देश को गर्त में ले जाने का काम कांग्रेस ने किया। देश में इमरजेंसी कांग्रेस लाई, कुर्सी बचाने के लिए देश का बंटवारा किया। देश में सिख दंगे करवाए, यह सब कांग्रेस की करतूतें हैं। भारती ने यह बात शिवपुरी जिले के पिछोर में बुधवार को भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही। सभा में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित पिछोर विधायक प्रीतम लोधी, भाजपा जिला अध्यक्ष राजू बाथम सहित कई वरिष्ठ पार्टी नेता पदाधिकारीगण, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सभा को संबोधित करते हुए उमा भारती ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि देश आजाद हो गया। लेकिन यह दोनों अभी भी अपने आप को रानी और शहजादे समझते हैं। पूर्व में इनके द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर आज यह भ्रष्टाचार के मामलों में जमानत पर हैं। उमा भारती ने कहा कि मैं हमेशा कहती हूं कि कांग्रेस को भाजपा से सामना करना है तो कांग्रेस को अपना विकल्प प्रस्तुत करना होगा। हमसे कैसे बेहतर देश चला सकते हैं, इसके बारे में विकल्प बताना होगा। विपक्ष हर समय मोदी जी को गाली देने का काम करता है। कांग्रेस ने पूर्व में इतनी गलतियां और इतनी करतूतें की है कि आज कांग्रेस के बारे में बोलने लायक कुछ भी नहीं है। जनता कांग्रेस के बारे में सब जानती है।

मोदी जी ने भारतीय होने का गौरव प्रदान किया

सभा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि आज मोदी जी ने प्रत्येक भारतीय के मन में भारतीय होने का गौरव प्रदान किया है। देश में अमीर-गरीब का अंतर कम हो रहा है। देश के आम नागरिकों को ध्यान में रखते हुए तमाम योजना चलाई हैं, जिसके कारण आम लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। 500 साल के इंतजार के बाद अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। इस घड़ी का 500 साल से इंतजार था। हमारे राम आ गए हैं, अब राम राज्य की जरूरत है और रामराज की जरूरत में मोदी जी के सहयोगी के रूप में उन्हें हनुमान और लक्ष्मण चाहिए। उन हनुमान लक्ष्मण में हमारे भतीजे ज्योतिरादित्य सिंधिया और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जैसे लोगों की जरूरत है। आज मोदी जी की योजनाओं में हर वर्ग का ध्यान रखा जा रहा है। चाहे गरीब हो, महिला हो या किसान सबके लिए योजनाएं बनाई गई हैं।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया को किया याद

सभा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने राजमाता विजयाराजे सिंधिया को याद करते हुए कहा कि उनकी विनम्रता और सरलता का कोई जवाब नहीं था। जब मैं 8 साल की थी, प्रवचन देने की शुरूआत की थी। तब राजमाता का सानिध्य मुझे मिला, उनका प्यार मिला उन जैसा प्यार और दुलार मुझे आज तक नहीं मिला। उन्होंने मुझे अपनी बेटी की तरह माना और आज मैं अपने भतीजे ज्योतिरादित्य सिंधिया के लिए प्रचार करने के लिए आई हूं। मैं गंगा किनारे हिमालय में थी, लेकिन ज्योतिरादित्य सिंधिया का मुझे फोन पहुंचा तो मैं अपने भतीजे के लिए यहां प्रचार करने के लिए आई हूं। यहां के सभी लोगों से अपील करती हूं कि मेरा प्यारे भतीजे को अच्छे से अच्छे वोटों से जिताकर हमें मोदी जी को मध्यप्रदेश से 29 कमल के फूलों की माला पहनानी हैं। इन फूलों की माला में गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र से कमल की माला अच्छी फूलों की पंखुड़ियां वाली होना चाहिए, इसलिए ज्यादा से ज्यादा गुना से मेरे प्यारे भतीजे को सभी वोट डालें और उन्हें जिताएं।

'सनातनियों का जनाजा नहीं अर्थी निकलती है', शाह के बयान पर दिग्विजय का तंज

राजगढ़ ■

मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटो में से सबसे चर्चित राजगढ़ लोकसभा सीट बीते दिनो केंद्रीय मंत्री अमित शाह के जनाजे वाले बयान के बाद से और अधिक हॉट मानी जा रही है। क्योंकि एक तरफ पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अकेले ही स्टार प्रचारक की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, भाजपा प्रत्याशी रोडमल नागर के समर्थन में देश व प्रदेश स्तर के नेता चुनावी सभा को संबोधित कर चुके हैं।

राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी रोडमल नागर के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करने आए देश व प्रदेश स्तर के नेताओं ने राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण ठुकराने को लेकर दिग्विजय सिंह को जमकर घेरा है और भाजपा के बड़े नेताओं ने कभी उन्हें आतंकवादियों को गले लगाने वाला और रामद्रोही जैसे शब्द से भी

संबोधित किया है, जिनके जवाब में दिग्विजय सिंह पूर्व में ही चुनाव आयोग व कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज करा चुके हैं। वहीं, बीते दिनों खिलचीपुर में भाजपा प्रत्याशी रोडमल नागर के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए आए केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने तो उन्हें भारी मतों से हराकर उनका जनाजा धूमधाम से निकालने की बात तक कह डाली। अमित शाह का यह बयान राष्ट्रीय स्तर तक की सुर्खियां बना और विपक्ष की ओर से भी पलटवार का सिलसिला जारी है। अमित शाह के बयान के अगले दिन दिग्विजय सिंह ने जनसंपर्क के दौरान अमित शाह के बयान का पलटवार करते हुए कहा था कि उन्होंने 15 मिनट के भाषण में 17 बार मेरा नाम लिया है, वो मुझसे इतने प्रभावित हैं कि उन्हें सपने में भी दिग्विजय सिंह नजर आता है। वहीं, बीते दिनों राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र के चाचौड़ा में दिग्विजय सिंह के समर्थन में नुक्कड़ सभा को संबोधित करने आए पूर्व मंत्री ओमकार सिंह मरकाम भी अमित शाह पर जमकर बरसे और कड़े शब्दों में अमित शाह के बयान की निन्दा की। वहीं, हाल ही में दिग्विजय सिंह ने वापस अमित शाह के उक्त बयान पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से पलटवार करते हुए लिखा कि, अमित शाहजी आप सनातन की बात करते हैं, और आप को ये नहीं मालूम कि सनातनियों की अर्थी निकलती है जनजा नहीं!

जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को घर से लाने पड़ रहे पंखे

दमोह। दमोह जिला अस्पताल में भर्ती मरीज इस समय दोहरी परेशानी झेल रहे हैं। एक तो वह बीमार दूसरे 42 डिग्री तापमान के बाद भी वार्डों में कूलर नहीं रखवाए गए। मरीजों को खुद ही अपने घर से पंखा लेकर आना पड़ रहा है। दरअसल, जिला अस्पताल के वार्डों में लगाई गई सेंट्रल एसी की वायरिंग चूहों ने कुतर दी है, जिससे पुरुष मेडिकल वार्ड यूनिट 3-4 एवं पीएनसी वार्ड यूनिट 1 की एससी बंद हो गई है। इन वार्डों में कूलर भी नहीं रखवाए गए हैं। सीलिंग फैन हवा फेंक रहे हैं। ऐसे में मरीज 42 डिग्री तापमान में गर्मी उमस से बेचैन हो रहे हैं। यहां भर्ती कुछ मरीज के परिजन ने घर से सीलिंग फैन लाकर पलंग के पास रख लिए हैं तो कुछ मरीज के परिजन गर्मी से राहत देने मरीज को तौलिया, कपड़े से हवा कर रहे हैं। पुरुष मेडिकल वार्ड यूनिट 3 एवं 4 में एसी बंद है।

एफएसटी, आबकारी, पुलिस और वन विभाग की टीमों ने मिलकर जब्त की 29 लाख की शराब

खरगोन ■

मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के बड़वाह क्षेत्र में बुधवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जिले की एफएसटी, आबकारी, पुलिस एवं वन विभाग की टीमों ने मिलकर संयुक्त कार्रवाई में करीब 29 लाख रुपये की कच्ची शराब सहित महुआ लहान जब्त किया है। बता दें कि लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते जिले में मदिरा एवं अन्य मादक पदार्थों के अवैध रूप से निर्माण, संग्रहण और परिवहन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसी बीच बुधवार को फ्लाइंग स्क्वॉड टीम, आबकारी विभाग की टीम, पुलिस विभाग एवं वन विभाग की टीमों के द्वारा बड़वाह क्षेत्र में संयुक्त रूप से कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में कच्ची शराब और महुआ लाहन को जब्त किया गया है। वहीं, इस पूरी कार्रवाई को लेकर जिले के आबकारी कन्ट्रोल रूम के प्रभारी सजेंद्र मोरी के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम बनाई गई। इसी टीम के द्वारा वृत्त बड़वाह के ग्राम कड़िया कुड, माडा झोल, ऊनाव, रावत पलासिया, मठ पलासिया के आसपास के घने जंगल में एवं नालों के किनारे जमीन में गड़े ड्रमों की खोजबीन कर जांच की गई।

बैंक के लॉकर से गायब हुए 20 लाख के जेवरात

शाहडोल ■

हर कोई अपनी ज्वेलरी और कीमती सामान सुरक्षित रखने के लिए बैंक लॉकर का इस्तेमाल करता है लेकिन बैंक लॉकर से ही सामान गायब हो जाए तो भला आप इसे क्या कहेंगे। ऐसा ही मामला शहडोल जिले में सामने आया है जहां बुढ़ार स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शाखा के लॉकर से एक उपभोक्ता के लाखों के जेवरात गायब हो गए। उपभोक्ता ने बैंक प्रबंधन और पुलिस में मामले की शिकायत दर्ज कराई है।

बुढ़ार के रहने वाले व्यवसायी दातूमल विशनदासानी का यूनियन बैंक में बचत खाता है और उन्होंने बैंक में लॉकर भी ले रखा है। उन्होंने जब से बैंक में लॉकर की सुविधा शुरू हुई, तब से अपने लॉकर नंबर-149 में परिवार के जेवरात रखे थे। वो जरुरत पड़ने पर लॉकर खोलते, बंद करते थे। दातूमल विशनदासानी ने बताया कि किन्ही कारणों से उन्होंने लंबे समय से लॉकर नहीं खोला था और 16 फरवरी को वे अपने लॉकर को काफी प्रयासों के बाद भी नहीं खोल पाए। इसकी सूचना उन्होंने बैंक प्रबंधन को दी जिसके बाद दूसरे दिन बैंक प्रबंधन ने लॉकर को उनके सामने खुलवाया। जैसे ही लॉकर खुला तो उपभोक्ता ने देका कि उसमें रखे लाखों के जेवरात गायब थे। जब उन्होंने बैंक प्रबंधन से जेवरात गायब होने की बात कही तो प्रबंधन पल्ला झाड़ते हुए उन्हें ही जिम्मेदार ठहराने लगा। जिसके बाद उन्होंने पुलिस में मामले की शिकायत दर्ज कराई है।

श्रमिकों से ही है देश का विकास सचिव/जिला न्यायाधीश पंवार

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बडवानी श्री आनंद कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में 01 मई 2024 अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर सिवरेज प्लांट भिलखेड़ा में श्रम विभाग बडवानी के समन्वय से हुआ विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन।

शिविर में उपस्थित मजदूरों का श्री पवार सचिव द्वारा उपस्थित श्रमिकों को श्रमिक दिवस की शुभकामनाये दी श्रमिको का सम्मान किया, ओर कहा कि श्रमिको से ही है देश का विकास श्रमिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहे हर वर्ष 01 मई को अतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के रूप में मनाया जाता है यह दिन श्रमिकों को समर्पित है यह दिन श्रमिकों को सम्मानित करने का दिन है श्रमिक देश के विकास में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाते है अपना पंजीयन करावे व शासन की योजना का लाभ ले। साथ ही उपस्थित मजदूरों को असगठित क्षेत्र के मजदूरों की योजना 2015 श्रमिकों के विरूद्ध अपराध प्रकोष्ठ, आदि की जानकारी दी। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री दिलीप मुझाल्दा द्वारा बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रमिकों के हितों के लिए सदैव साथ है उन्हें शासन की योजना आयुष्मान, सबल, एवं शासन की किसी भी योजना का लाभ न मिलने पर विधिक सेवा प्राधिकरण, कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है साथ ही विधिक सेवा प्राधिकरण, की निःशुल्क विधिक सहायता योजना, हेल्प डेस्क डिजास्टर आपदा, टोल फ्री नम्बर 15100 की जानकारी दी। कार्यक्रम में डिप्टी चीफ श्री संदीप शर्मा द्वारा श्रमिको को उनके अधिकारों शोषण के विरुद्ध अधिकार बालश्रम निषेध, स्वंतत्रा का अधिकार, बंधुआ मजदूरी न्युनतम मजदूरी समान पारिश्रमिक स्वास्थ्य संबंधी अधिकार, के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। पैरालीगल वालंटियर द्वारा उपस्थित मजदूरों को विधिक सहायता सबंध पेम्पलेट वितरित किये। विधिक साक्षरता शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री मानवेन्द्र पवार प्रभारी श्रम पदाधिकारी श्रीमती अर्चना यादव, असि लीगल एड डिफेंस श्री सागर पाण्डेय लेबर इसपेक्टर श्री अकित किराडे, श्रम निरीक्षक श्री आर.सी. वास्केल, पैरालीगल वालेंटियर श्री सालकराम साल्वे श्रीमती नाजिया खॉन, श्रीमती शैली सोलकी, श्री अंकित बाथम, श्री रवि धनगर, विधिक सेवा प्राधिकरण, के कर्मचारी एवं मजदूर साथ उपस्थित।

आंदोलनरत अन्नदाता:उदासीन सरकार:खामोश मीडिया?

इस समय पूरा देश, शासन,प्रशासन तथा मीडिया लोकसभा चुनावों के वातावरण में डूबा हुआ है। सभी राजनैतिक दलों के स्टार प्रचारकों के निरर्थक आरोपों व प्रत्यारोपों को जबरदस्ती मुद्दा बनाकर जनता पर थोपा जा रहा है। आम लोगों की भावनाओं को झकझोर कर सत्ता में बने रहने के कुटिल प्रयास किये जा रहे हैं। परन्तु इसी चिलचिलाती धूप और तेज गर्मी में देश का अन्नदाता आंदोलनरत है। गत 17 अप्रैल से किसानों के प्रमुख संगठन संयुक्त किसान मोर्चा (गैरराजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने अम्बाला-राजपुरा के मध्य पड़ने वाले शंभू रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक को जाम कर रखा है और वहां प्रदर्शन कर रहे हैं। इस आंदोलन की वजह से सैकड़ों ट्रेन्स के संचालन के प्रभावित होने की खबर है। इसके अतिरिक्त दर्जनों ट्रेन्स के रद्द होने का भी समाचार है जबकि 54 ट्रेनों के मार्ग बदले जाने की सूचना है। सैकड़ों माल गाड़ियों का परिचालन भी प्रभावित हो रहा है। जाहिर है किसान आंदोलन के चलते ट्रेन परिचालन में आने वाली इस बाधा का सीधा असर आम जन जीवन पर पड़ रहा है। इस धरने के कारण केवल यात्रियों को ही भारी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ रहा बल्कि रेलवे को भी काफी आर्थिक क्षति सहन करनी पड़ रही है। शंभु रेलवे स्टेशन पर रेल ट्रैक पर दिये जा रहे धरने के करीब ही रेल लाइन के सामानांतर जा रही जी टी रोड पर स्थित शम्भू बैरियर पर तो किसानों ने गत फरवरी माह से लगभग स्थाई मोर्चा लगा रखा है। और लुधियाना-राजपुरा-अम्बाला मार्ग तभी से बाधित है। शम्भू बैरियर पर फरवरी से बैठे किसानों की प्रमुख मांगें वही हैं जिन्हें लेकर 2 वर्ष पूर्व किसानों ने दिल्ली के चारों ओर मोर्चे बंदी की थी और सरकार द्वारा विवादित कृषि कानूनों को वापस लेने सहित किसानों की मांगों को माने जाने की घोषणा की गयी थी। इसी के बाद किसानों ने अपना आंदोलन स्थगित किया था। इन्हीं मांगों में किसानों की न्यूनतम समर्थन मूल्य एम एस पी लागू करने जैसी प्रमुख मांग भी शामिल थी।

निर्मल रानी
लेखिका
ग्लोबल हेराल्ड

जबकि गत 17 अप्रैल से शंभू रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक जाम कर बैठने वाले किसान संगठन तो वही हैं जो शम्भू बैरियर व खनौरी की हरियाणा-पंजाब सीमाओं पर फरवरी से बैठे हैं परन्तु इनकी मांगें कुछ और ही हैं। यह रेल रोको आंदोलन किसान नेता नवदीप सिंह व अनीश खटकड़ और गुरकीरत सिंह को रिहा कराने के मकसद से किया जा रहा है। आंदोलनकारी किसानों का कहना है कि इन तीनों किसानों को हरियाणा पुलिस द्वारा झूठे मामलों में फंसाया गया है। इसमें से एक अनीश खटकड़ ने तो जेल में मरणव्रत भी शुरू कर दिया था जिसे बाद में किसान नेताओं ने ही जेल में जाकर खत्म कराया। किसानों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उक्त तीनों किसानों की रिहाई नहीं हो जाती, तब तक किड्सन रेल ट्रैक से नहीं हटेंगे न ही रेलवे ट्रैक खोले जाएंगे। किसान जत्थेबंदियों ने हरियाणा सरकार को यह चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही हरियाणा सरकार ने तीनों किसानों को रिहा नहीं किया तो आंदोलन को और भी तेज किया जाएगा। इस आंदोलन का सीधा असर रेलवे यात्रियों पर पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी में अपने गंतव्य पर पहुँचने की अनिश्चितता ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। कई स्टेशन पर यात्री ट्रेन के इंतजार में बैठे हैं। परन्तु ट्रेन की कोई जानकारी नहीं। बच्चे,महिलायें,बुजुर्ग सभी जगह जगह रेल प्लेटफार्म पर परेशानियां झेलने को मजबूर हैं। वैसे भी दिल्ली अमृतसर रुट पर पड़ने वाला शम्भू रेल ट्रैक एक ऐसे अति महत्वपूर्ण रेल रुट पर स्थित है जिससे होकर वंदे भारत,शताब्दी,संपर्कक्रांति,स्वर्ण शताब्दी जैसी जम्मू, अमृतसर, फिरोजपुर, भटिंडा, गंगानगर, जालंधर, लुधियाना मार्ग की सैकड़ों ट्रेन्स गुजरती हैं। सवाल यह है कि चुनावी लफ़्फाजियों में लगी सरकार जोकि स्वयं को किसानों का सबसे बड़ा हितैषी भी बताती रहती है वह आखिर किसान आंदोलन व रेल व सड़क जाम के चलते आम लोगों को होने वाली परेशानियों से निजात क्यों नहीं दिलाती। जो सरकार भाषणों,विज्ञापनों व गोदी मीडिया के माध्यम से देश को बताने की कोशिश करती रहती है कि अन्नदाताओं की सबसे बड़ी शुभचिंतक सरकार यही है,वह इन आंदोलनकारी किसानों को यही बात क्यों नहीं समझा पाती ? बड़ा आश्चर्य है कि किसान और इस आंदोलन से प्रभावित होने वाली आम जनता,यात्री,वाहन चालक से लेकर किसान तक सभी दुखी व परेशान हैं परन्तु सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती ? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सभी 'सेनापति' उनके मुंह से निकली बातों को ही ब्रह्म वाक्य समझ कर प्रचारित करने लग जाते हैं। जबकि वीरेंद्र सिंह जैसे कुछ बाजमीर नेता किसानों के साथ हो रही नाइंसाफी को लेकर भाजपा का साथ छोड़ने से भी नहीं कतराते। सच तो यह है कि झूठ को सच बताकर परोसने वाली व जन सरोकारों से मुँह मोड़कर फुजूल की निरर्थक बातों में जनता को उलझा कर रखने वाली ऐसी असंवेदनशील सरकार देश में पहले कभी नहीं देखी गयी। बहुमत का ऐसा अहंकार कि पंजाब,कश्मीर और मणिपुर जैसे कई छोटे राज्यों के लोगों की समस्यायें इसे समस्यायें ही नजर नहीं आतीं ?मांस,मछली,मुसलमान,पाकिस्तान,घुसपैठिये,मुझे मारो,मुझे गाली दो ,मुझे पीटो,नेहरू ने देश बर्बाद किया,परिवारवाद पर झूठा प्रवचन,मंगलसूत्र,भ्रष्टाचार पर दोहरा मापदंड,लोकतंत्र की हत्या,सरकारी संस्थाओं का दुरूपयोग,पूंजीपतियों को संरक्षण,हत्यारों व बलात्कारियों की सरपरस्ती जैसी मोदी व भाजपा नेताओं की पसंदीदा बातों में से कोई भी बात जनसरोकारों से जुडी नहीं है। बल्कि यह सब जनविरोधी बातें हैं। परन्तु इनका पूरा चुनावी खेल इनपर व इन जैसी ही तमाम विवादित बातों पर आधारित है। न इन्हें किसानों के आंदोलन की फिक्र ,न रेल यात्रियों की परेशानियों की चिंता,न ही सड़क जाम की परवाह। मंहगाई बेरोजगारी तो इनके लिये चर्चा का विषय है ही नहीं। उसके बावजूद झूठी लोकप्रियता व आत्ममुग्धता का नशा इनके सर चढ़कर बोलता रहता है। यह शासन व प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह किसानों के इस धरने की वजह से आम लोगों को होने वाली परेशानियों से निजात दिलाये। कहना गलत नहीं होगा कि एक ओर जहाँ अन्नदाता आंदोलनरत है वहीं सरकार इस मामले को लेकर पूरी तरह उदासीन है साथ ही सरकार की जी हुजूरी में लगा मीडिया भी इतने संवेदनशील विषय पर पूरी तरह खामोश है।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है।

मनोरंजन

हिंदी सिनेमा में ऑफर्स मिलने में एक्ट्रेस सीरत कपूर को आई परेशानियां

31 वर्षीय एक्ट्रेस सीरत कपूर ने हिंदी सिनेमा में खुद को स्थापित करने में आ रही कठिनाइयों के बारे में बात की। एक्ट्रेस का कहना है कि साउथ एक्ट्रेस के रूप में पहचाने जाने के चलते हिंदी सिनेमा में प्रोजेक्ट के ऑफर्स मिलने में परेशानियां हुई है। सीरत ने कहा, कई लोग मुझे साउथ एक्ट्रेस के रूप में जानते हैं और मुझे लगता है कि कभी-कभी यह बॉलीवुड में ऑफर्स मिलने के बीच रूकावटें पैदा करता है। दर्शकों के लिए यह सोचना आसान है कि अगर आप साउथ इंडियन इंडस्ट्री में अच्छा कर रहे हैं तो आपको बॉलीवुड में आसानी से काम मिल सकता है। हालांकि, असल बात यह है कि बॉलीवुड में लीड रोल के लिए कोई भी प्रोजेक्ट पाने की प्रक्रिया बहुत चुनौतीपूर्ण है। सीरत और भी बॉलीवुड फिल्में करने की इच्छुक हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं अपने लाइफटाइम में कम से कम एक बार बॉलीवुड एक्टर्स के साथ काम करूंगी। उन्होंने कहा कि तेलुगु सिनेमा से मेरा नाता हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा, टॉलीवुड ने मुझे वह सब कुछ दिया है जो आज मेरे पास है और मैं इसे पीछे नहीं छोड़ना चाहती। यहीं से मैंने शुरुआत की और यह हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा।

सिंगर की पहली पत्नी से लग रहा था इम्तियाज को डर

पंजाबी सिंगर अमर सिंह चमकीला की जिंदगी पर आधारित इस फिल्म को लेकर इम्तियाज अली की भी खूब प्रशंसा हो रही है। हाल ही में निर्देशक इम्तियाज अली ने फिल्म की स्क्रीनिंग से जुड़ी कुछ खास बातों का खुलासा करते हुए बताया कि उन्हें फिल्म की स्क्रीनिंग के वक्त सिंगर की पहली पत्नी से डर लग रहा था। इम्तियाज अली ने कहा, 'चमकीला का पूरा परिवार स्क्रीनिंग के दौरान मौजूद था। उनकी पहली पत्नी गुरमेल कौर थीं। वहां अमरजोत और चमकीला का बेटा जयमन चमकीला था। चमकीला की बेटियां भी वहां थीं। स्क्रीनिंग के दौरान अमर सिंह चमकीला की पहली पत्नी मेरे ठीक बगल में बैठी थी और मैं सोच रहा था कि फिल्म में कुछ संवेदनशील दृश्य हैं, तो वो मुझ पर हमला करें इससे पहले क्या मुझे पीछे हट जाना चाहिए'। चमकीला के किरदार को पर्दे पर दर्शाने के बारे में इम्तियाज अली कहते हैं, 'मैंने चमकीला की छवि को व्हाइटवॉश नहीं किया है। मैंने उन्हें पर्दे पर वैसे ही पेश किया है जैसे वो हैं। उन्होंने अपनी जिंदगी में कई ऐसी चीजें की थीं जिन्हें आप जज कर सकते हैं, लेकिन मैंने उन सभी चीजों को वैसे ही छोड़ दिया था, जैसी वो हैं। इसका पूरा श्रेय उनके परिवार को जाता है कि उन्होंने मुझे चीजों को वैसे ही पेश करने की आजादी दी जैसी वो थीं'।

फिल्म हनु-मैन की वजह से सुर्खियों में प्रशांत वर्मा 250 करोड़ी फिल्म ने कई बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड्स किए धराशाई

बालीवुड एक्टर रणवीर सिंह ने अपनी अगली फिल्म के लिए साउथ फिल्म निर्देशक प्रशांत वर्मा के साथ हाथ मिलाया है। प्रशांत वर्मा अपनी हालिया रिलीज ब्लॉकबस्टर फिल्म हनु-मैन की वजह से सुर्खियों में हैं। महज 20 करोड़ रुपये में बनी उनकी इस 250 करोड़ी फिल्म ने कई बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड्स धराशायी कर दिए थे। अब वो अपनी अगली फिल्म जय हनुमान को लेकर व्यस्त हैं। इसके साथ ही फिल्म निर्देशक ने रणवीर सिंह के साथ अपनी एक और अगली फिल्म के लिए कथित तौर पर हाथ मिला लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रणवीर सिंह और प्रशान्त वर्मा की इस फिल्म का शीर्षक राक्षस रखा गया है। फिलहाल इस फिल्म का टाइटल राक्षस चुना गया है। ये निर्देशक प्रशांत वर्मा के सिनेमैटिक यूनिवर्स की अगली कड़ी की फिल्म होगी। जिसमें रणवीर सिंह का किरदार कई नकारात्मक ऊर्जाओं से प्रभावित होगा। फिल्म के बारे में करीबी सूत्र ने कहा, ये प्रशांत वर्मा के सिनेमैटिक यूनिवर्स की अगली कड़ी होगी। जहां निर्देशक कई किरदारों को लेकर आने वाले हैं। जो अंत में फिनाले में एक साथ दिखेंगे। रणवीर सिंह इस किरदार और निर्देशक के विजन को लेकर बेहद प्रभावित थे। साथ ही उनकी लंबी योजनाओं को लेकर उत्साहित हैं। वो निर्देशक के साथ राक्षस का सफर शुरू करने को लेकर उत्साहित हैं। इतना ही नहीं, रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म की स्क्रिप्ट और स्क्रीनप्ले बनकर पहले ही तैयार हो चुके हैं।

मेरा शरीर संकेत दे रहा, मैड्रिड ओपन में आखिरी बार खेलते हुए हार के बाद भावुक हुए नडाल

मैड्रिड ■

सबसे ज्यादा 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रफेल नडाल मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में मिली हार के बाद भावुक हो गए। दरअसल, इस टूर्नामेंट और इस कोर्ट में वह आखिरी बार खेल रहे थे। पांच बार के मैड्रिड ओपन चैंपियन नडाल को 31वीं रैंकिंग वाले जिरि लेहेका ने 7-5, 6-4 से हराया। हार के बाद नडाल ने कहा- यह मेरे लिए मुश्किलों भरा दिन है, लेकिन यही हकीकत है । मेरा शरीर और जिंदगी काफी समय से संकेत दे रहे हैं। मैं इस कोर्ट को अलविदा कह रहा हूं और मेरे लिए यह बहुत भावुक पल है। यहां की यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी।

नडाल के हमवतन स्पेन के ही कार्लोस अल्काराज तीन घंटे तक चले मैच में जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-7, 7-6 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। वहीं, शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनर ने 16वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव को 5-7, 6-3, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदव ने अलेक्जेंडर बुबलिक को 7-6, 6-4 से हराया। महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने बीट्रिज हदाद माइया को 4-6, 6-0, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना अमेरिका की 18वीं वरीयता प्राप्त मेडिसन कीस से होगा। मेडिसन ने आठवीं वरीयता प्राप्त ओंस जबाउर को 0-6, 7-5, 6-1 से हराया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त बोपन्ना एबडेन की जोड़ी मैड्रिड मास्टर्स से बाहर

शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी पहले दौर में सेबेस्टियन कोरडा और जोर्डन थाम्पसन से अप्रत्याशित हार के बाद एटीपी मुटुआ मैड्रिड ओपन से बाहर हो गई। ऑस्ट्रेलियाई ओपन पुरुष युगल चैम्पियन बोपन्ना और एबडेन को एक घंटे 17 मिनट तक चले मैच में अमेरिका और आस्ट्रेलिया की जोड़ी से 7-6, 7-5 से पराजय झेलनी पड़ी। पिछले साल बोपन्ना और एबडेन ने इंडियन वेल्स मास्टर्स जीता था और 43 वर्ष के बोपन्ना एटीपी मास्टर्स 1000 चैम्पियन बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने। दोनों विम्बलडन पुरुष युगल सेमीफाइनल और अमेरिकी ओपन फाइनल में पहुंचे थे।

भगवान राम का किरदार निभाएंगे रणबीर, माता सीता के अवतार में साई पल्लवी दिखाई देंगे

बवाल और दंगल जैसी सुपरहिट फिल्मों के मशहूर डायरेक्टर नितेश तिवारी फिल्म रामायण का निर्देशन कर रहे हैं, जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम का किरदार निभाते नजर आएंगे। तो वहीं माता सीता के अवतार में साई पल्लवी दिखाई देंगी। इसी बीच अब हाल ही में किसी सोर्स ने फिल्म के सेट से रणबीर कपूर और साई पल्लवी की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर लीक कर दी है जो कि धड़ल्ले से वायरल हो रही है। इन तस्वीरों में रणबीर भगवान राम और साई मां सीता के अवतार में नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को फिलहाल हम आपको नहीं दिखा सकते हैं लेकिन आप ट्वीटर पर वायरल हो रही तस्वीरों में रणबीर को राम अवतार में और साई को सीता अवतार में जरूर देख सकते हैं। उम्मीद है आपको दोनों का शानदार लुक पसंद आएगा। वहीं रणबीर और साई से पहले रामायण के सेट्स से एक्टर अरुण गोविल और एक्ट्रेस लारा दत्ता की तस्वीरें भी लीक हुई थीं। जिसमें अरुण राजा दशरथ के लुक में नजर आए थे। वहीं लारा दत्ता, रानी कैकयी के अवतार में दिखी थीं।

दिल्ली कैपिटल्स अब भी प्लेऑफ में पहुंच सकती है : होप्स

कोलकाता ■

दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स को अब भी भरोसा है कि उनकी टीम आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंचने में सफल रहेगी। कैपिटल्स की टीम को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था जिसके बाद उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं कम होने की बात कही गयी थी। वहीं टीम को गेंदबाजी कोच होप्स कहा उन्हें टीम के प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीद है। केकेआर के खिलाफ हार से दिल्ली की टीम छठे स्थान पर फिसल गयी और उसके पास अब तीन मैच ही हैं। उसे अगला मुकाबला 7 मई को घरेलू मैदान पर राजस्थान रॉयल्स से होगा। इसके बाद उसे बेंगलुरू में 12 मई को वह आरसीबी से खेलेगी। लीग में उनका अंतिम मैच 14 मई को घरेलू मैदान पर लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ है।

होप्स ने कहा, 'अब हमारे पास एक सप्ताह का ब्रेक है। हमारा भाग्य अब भी हमारे हाथों में है, आप यह कह सकते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर हम तीनों मैच जीत सकते हैं और 16 अंक हासिल कर सकते हैं और प्लेऑफ के लिए यह पर्याप्त रहेगा। हमारे पास अभी एक सप्ताह का ब्रेक है जहां हम फिर से बदलाव कर सकते हैं और देख सकते हैं कि क्या हमें किसी भी चीज के बारे में थोड़ा अलग सोचने की जरूरत है। 10 में से 5 मैच जीत चुकी दिल्ली के लिए केकेआर के खिलाफ जीत जरूरी थी

आईपीएल में आज राजस्थान रॉयल्स से मुकाबला करेगी सनराइजर्स

हैदराबाद ■

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल में गुरुवार को अपने घरेलू मैदान पर राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगी। इस मैच में सनराइजर्स भले ही अपने घरेलू मैदान पर खेल रही हो लेकिन इस मैच में जीत के लिए कप्तान संजू सैमसन की राजस्थान को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इसका कारण ये है कि राजस्थान ने अबतक खेले गये 9 मुकाबलों में से 8 जीते हैं। ऐसे में वह 16 अंक लेकर शीर्ष पर है। इसके साथ ही उसके बल्लेबाज और गेंदबाज शानदार फर्म में हैं। वहीं दूसरी और इस सत्र की शुरुआत में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से धमाका करने वाली कप्तानी पैट कमिंस की सनराइजर्स बाद के मैचों में असफल रही है। । उसने अब तक पांच मैच जीते हैं जबकि चार में उसे हार का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रकार 10 अंक लेकर वह पांचवे नंबर पर है। पिछली कुछ हारों से उसका मनोबल भी गिरा है और टीम लक्ष्य का सामना करने में विफल रही है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

राजस्थान रॉयल्सः संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, शुभम दुबे, शिम्रोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, रियान पराग, रोवमैन पॉवेल, कुणाल सिंह राठौड़, रविचंद्रन अश्विन, डोनोवन फरेरा, अवेश खान, ट्रेंट बोल्ट , नंद्रे बर्गर, युजवेंद्र चहल, प्रसिद्ध कृष्णा, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आबिद मुश्ताक, तनुश कोटियन।

सनराइजर्स हैदराबादः पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिच क्लासेन (विकेटकीपर), ऐडन मार्कराम, अब्दुल समद, नीतिश रेड्डी, शाहबाज अहमद,भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मार्कंडेय, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह , ग्लेन फिलिप्स, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, उपेन्द्र यादव, झटवेध सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत व्यासकांत, फजलहक फारूकी, मार्को यानसेन, आकाश महाराज सिंह और मयंक अग्रवाल।

टी20 प्रारुप में हमेशा ही बल्लेबाज हावी रहे : कमिंस

चेन्नई। सनराइजर्स हैदराबाद टीम के बाद कप्तान पैट कमिंस ने टी20 प्रारुप पर निशाना साधा है। कमिंस ने कहा है कि टी20 क्रिकेट हमेशा से ही बल्लेबाजों के पक्ष में रहा है। आईपीएल के इस सत्र में बल्लेबाजों को कुछ ज्यादा ही सहायता मिल रही है। इसके पीछे आईपीएल के कुछ नियम ओर पिच हैं। कमिंस ने कहा कि इस सत्र में छह बार 250 से अधिक का स्कोर बन चुका है और 200 रन बनाकर भी आप हार सकते हैं। इससे पहले आईपीएल इतिहास में दो ही बार 250 से अधिक का स्कोर बना था। कमिंस ने कहा ,'' टी20 हमेशा से बल्लेबाजों का खेल रहा है और इस सत्र में तो यह एक कदम और आगे चला गया हैं। अब हमारे पास गेंदबाजी के अधिक विकल्प नहीं है और ऐसे में आक्रामक बल्लेबाजी करके ही हमें जीत मिल सकती है। ' आईपीएल नीलामी में सनराइजर्स हैदराबाद ने कमिंस को 20.50 करोड़ की बोली लगाकर अपने साथ शामिल किया था।

ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्वकप के लिए मिचेल मार्श को बनाया कप्तान

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आगामी टी20 विश्वकप के लिए मिचेल मार्श को टीम का कप्तान बनाया है। सीए ने एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले विश्वकप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज स्मिथ को शामिल नहीं किया गया है। इसके अलाव आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से धूम मचाने वाले बल्लेबाज जैक फ्रेजर मैकगर्क को भी जगह नहीं मिली है। ऑस्ट्रेलिया की इस टीम में पैट कमिंस भी शामिली हैं पर उन्हें कप्तानी नहीं मिली है। वह एक तेज गेंदबाज के तौर पर रहेंगे।

टीम इस प्रकार है : मिचेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वॉर्नर और एडम ज़म्पा।

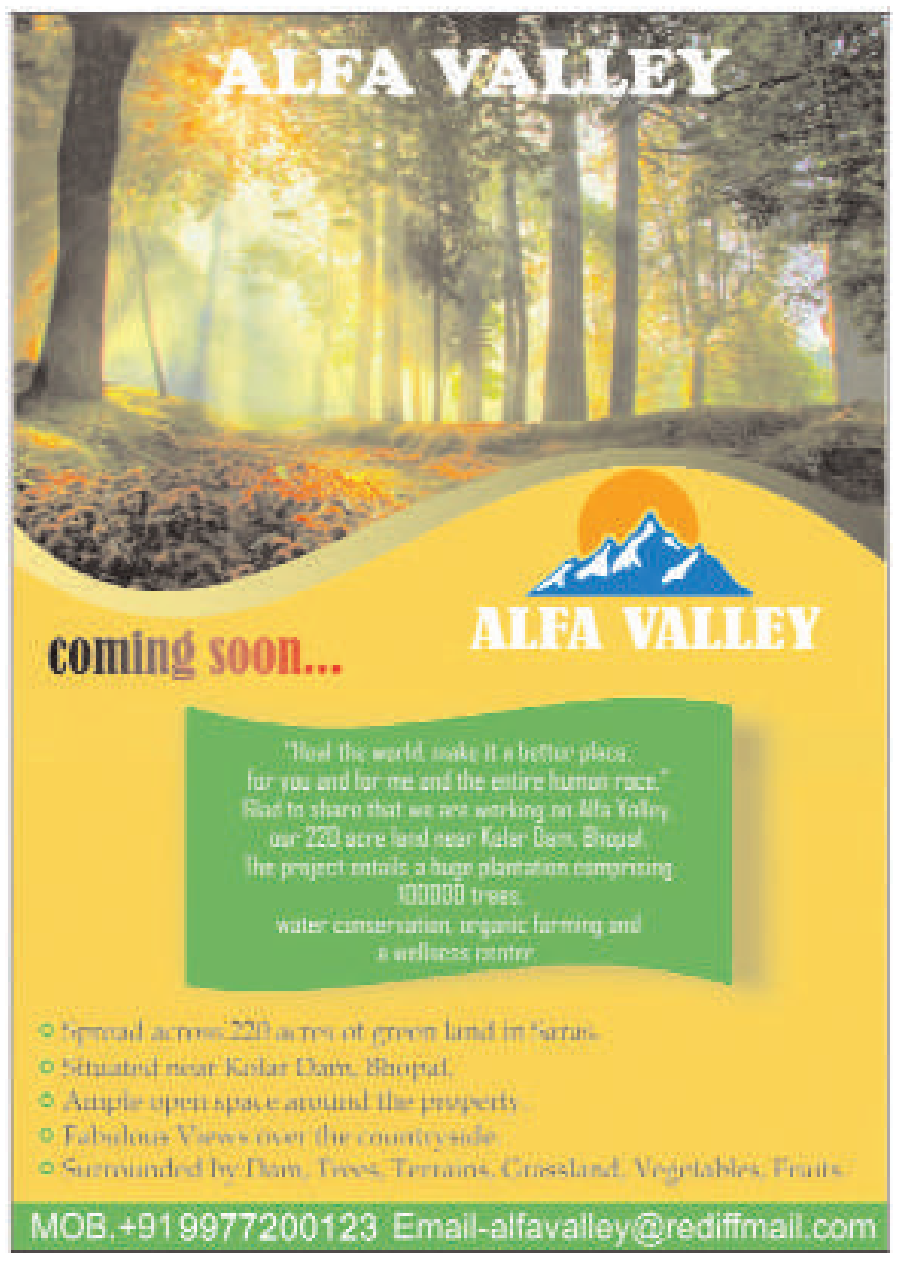

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां, घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078

ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताज़ातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज़ पेपर न्यूज़ चैनल वेब टीवी
editor@globalherald.news

LITTAL
www.pramodmarutiparts.com

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org, डाक पंजीयन क्रमांक - **MP/IDC/1438/2016-2018**